खण्ड-08 सत्र-01 / अंक-02

मंगलवार 25 फरवरी, 2025 / 06 फाल्गुन, 1946 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

आठवीं विधान सभा

पहला सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-08, सत्र-1 में अंक 01 से 05 तक सम्मिलित हैं।)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

रंजीत सिंह

सचिव

RANJEET SINGH

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-1 मंगलवार, 25 फरवरी, 2025/06 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-02

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	माननीय उपराज्यपाल का अभिभाषण	4-16
3.	माननीय उपराज्यपाल के अभिभाषण की हिंदी एवं अंग्रेज़ी प्रति	17-34
4.	शराब नीति से संबंधित सीएजी रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण	35
5.	सीएजी रिपोर्ट पर माननीय अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य	36-40
6.	सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा	41-82
7.	माननीय उप-राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव	83
8.	माननीय उद्योग मंत्री का वक्तव्य	84
9.	सदन की अवधि बढ़ाए जाने संबंधी प्रस्ताव	85
9.	विपक्ष के सदस्यों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव	86-93

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-1 मंगलवार, 25 फरवरी, 2025/06 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-02

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अहिर दीपक चौधरी
2. श्री अभय कुमार वर्मा
3. श्री अजय कुमार महावर
4. श्री अनिल कुमार शर्मा
5. श्री चन्दन कुमार चौधरी
6. डॉ. अनिल गोयल
7. श्री गजेन्द्र दराल
8. श्री गजेन्द्र सिंह यादव
9. श्री हरीश खुराना
10. श्री कैलाश गंगवाल
11. श्री करनैल सिंह
12. श्री करतार सिंह तंवर
13. श्री कुलदीप सोलंकी
14. श्री कुलवन्त राणा
15. श्री मनोज कुमार शौकीन
16. श्री नीरज बैसोया
17. श्री ओमप्रकाश शर्मा
18. श्री प्रद्युमन सिंह राजपूत
19. श्री पवन शर्मा
20. श्रीमती पूनम शर्मा
21. श्री राजकरण खत्री
22. श्री राजकुमार चौहान

23. श्री रवि कान्त
24. श्री रविन्दर सिंह नेगी
25. श्री संदीप सहरावत
26. श्री संजय गोयल
27. श्री सतीश उपाध्याय
28. श्री श्याम शर्मा
29. सुश्री शिखा राय
30. श्री सूर्य प्रकाश खत्री
31. श्री तरविन्दर सिंह मारवाह
32. श्री तिलक राम गुप्ता
33. श्री उमंग बजाज
34. श्री मोहन सिंह बिष्ट
35. श्री आले मोहम्मद इकबाल
36. श्री अनिल झा
37. श्री आशोक गोयल
38. चौधरी जुबेर अहमद
39. श्री गोपाल राय
40. श्री इमरान हुसैन
41. श्री कुलदीप कुमार (सोनू)
42. श्री मुकेश कुमार अहलावत
43. श्री प्रेम चौहान
44. श्री प्रवेश रत्न
45. श्री पुनरदीप सिंह साहनी
46. श्री राम सिंह नेताजी
47. श्री राजकुमार भाटिया
48. श्री संजीव झा
49. श्री सही राम
50. श्री सोमदत्त
51. श्री सुरेन्द्र कुमार
52. श्री वीर सिंह धिंगान
53. श्री वीरेंद्र सिंह कादियान
54. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-1 मंगलवार, 25 फरवरी, 2025/06 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-02

सदन पूर्वाह्न 11.04 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए।

राष्ट्रगान

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण आज माननीय उपराज्यपाल महोदय श्रीमान विनय कुमार सक्सेना जी सदन में अभिभाषण के लिए आए हैं। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से उनका हार्दिक स्वागत करता हूं। अब मैं माननीय उपराज्यपाल महोदय से अनुरोध करूंगा कि वे सदन को संबोधित करें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मेरी आपको चेतावनी है आप अपना स्थान ग्रहण करें। ये देखिए।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः मार्शल।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः जरनैल सिंह, विशेष रवि, सोमदत्त, संजीव झा इनको सबको बाहर करिये।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः बाहर करिये इनको।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः तुरंत बाहर करिये।

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यगण।

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः मैं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की आठवीं विधानसभा के प्रथम सत्र में आपका स्वागत करता हूं।

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः आठवीं विधानसभा के इस उद्घाटन सत्र में, चुनावों के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिये, मेरी सरकार सम्मानित मतदाताओं और सभी राजनितिक दलों के नेताओं के साथ-साथ प्रशासनिक मशीनरी के प्रयासों की भी सराहना करती है।

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः सभी निर्वाचित सदस्यों को मेरी बधाई और हार्दिक शुभकामनायें, विशेष रूप से उन 32 सदस्यों को, जो इस प्रतिष्ठित सदन में पहली बार निर्वाचित हुये हैं।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अनिल झा को पूरे दिन के लिये, जरनैल सिंह को पूरे दिन के लिये, विशेष रवि को पूरे दिन के लिये, सोमदत्त को पूरे दिन के लिये ये पांच मैम्बर को पूरे दिन के लिये सदन से निष्कासित किया जाता है।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार उपरोक्त पांच माननीय सदस्यों को मार्शल द्वारा सदन से बाहर किया गया एवं पूरे दिन के लिये सदन से निष्कासित किया।)

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः निर्वाचित 05 महिला सदस्यों का भी विशेष स्वागत है। मुझे विश्वास है कि आपके योगदान का निश्चित रूप से दिल्ली की महिलाओं के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः मैं माननीय मुख्यमंत्री एवं मंत्रीमंडल के सभी सदस्यों को भी नई सरकार के गठन की शुभकामनायें देता हूं।

माननीय सदस्यगण इस ऐतिहासिक भवन में स्थित इस सदन का हिस्सा होना अपने आप में ही गर्व का विषय है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: सुरेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह को पूरे दिन के लिये निष्कासित किया जाता है। वीर सिंह धींगान को पूरे दिन के लिये निष्कासित किया जाता है, मार्शल्स।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: मुकेश अहलावत को पूरे दिन के लिये सदन से निष्कासित किया जाता है।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार उपरोक्त माननीय सदस्यों को मार्शल द्वारा सदन से बाहर किया गया एवं पूरे दिन के लिये सदन से निष्कासित किया ।)

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपाल: ये ऐतिहासिक एवं भव्य इमारत 1912 से 1926 तक इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल तथा सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली यानि की तत्कालीन भारत की संसद हुआ करती थी। आज जिस आसान पर माननीय अध्यक्ष बैठे हैं उस पर कभी महान स्वतंत्रता सेनानी और माँ भारती के सपूत श्री विट्ठलभाई पटेल आसीन हुआ करते थे। इसी ऐतिहासिक इमारत में।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः इनको बाहर करिये, पूरे दिन के लिये बाहर करिये कादियान जी को पूरे दिन के लिये बाहर।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार उपरोक्त माननीय सदस्य को मार्शल द्वारा सदन से बाहर किया गया एवं पूरे दिन के लिये सदन से निष्कासित किया।)

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः इसी ऐतिहासिक इमारत में रॉलेट एक्ट पास हुआ और स्वतंत्रता संग्राम की अनेक गाथाएं लिखी गई। विशाल जन आदेश द्वारा दिल्ली की जनता ने मेरी सरकार और उसके संकल्प पत्र में समाहित नितियों पर विश्वास व्यक्त किया है। मेरी सरकार को प्राप्त यह जन आदेश दिल्ली वासियों की आकांक्षाओं का साकारात्मक प्रतीक है और उनकी अब तक अनदेखी और उपेक्षित आशाओं और अपेक्षाओं के प्रतिबिम्ब को दर्शाता है। मेरी सरकार विनम्रतापूर्वक इस जनादेश को स्वीकार करते हुए, अपने आप को महात्मा गांधी के सर्वोदय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय तथा बाबा साहेब के समता के सिद्धांतों के प्रति प्रतिब) करती है। मेरी सरकार..

माननीय अध्यक्षः इनको पूरे दिन के लिए बहार किया जाये। मार्शल्स दोनों को बाहर किया जाये। कुलदीप कुमार को बाहर करिये। बाहर करिये। दोनों को बाहर करिये। चौधरी जुबेर अहमद को बाहर करिये।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार उपरोक्त माननीय सदस्यों को मार्शल द्वारा सदन से बाहर किया गया।)

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः मेरी सरकार इस प्रचंड जनादेश को उन नीतिगत बदलाव की स्वीकशति के रूप में देखती है जिनका वादा हमने जनता से किया था। लोगों ने न केवल व्यक्तिगत बल्कि समावेशी विकास एवं दशष्टिकोण को और न्यायगत प्रगति की इस मेरी सरकार की रूप रेखा में विश्वास जताते हुए अपना समर्थन दिया है।

माननीय अध्यक्षः आतिशी जी को पूरे दिन के लिए बाहर किया जाये। बाहर करिये।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार उपरोक्त माननीय सदस्य को मार्शल द्वारा सदन से बाहर किया गया एवं पूरे दिन के लिये सदन से निष्कासित किया ।)

...व्यवधान...

माननीय उपराज्यपालः प्रदेश की जनता ने, प्रदेश की जनता ने विकसित दिल्ली संकल्प पत्र में अपना विश्वास प्रकट कर नई सरकार को जनादेश देकर सेवा का अवसर प्रदान किया है। मेरी सरकार पारदर्शी और जवाबदेह स्वशासन प्रदान करने के लिए संकल्पब) है जहां भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं होगा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्ष: ये कैमरा मैन किसका है, ये कैमरा मैन किस के हैं, वो आप किसके है? किन के साथ आये हैं। यहां पर सिर्फ एल. जी. साहब के कैमरा मैन और विधान सभा के कैमरा मैन वो रहेंगे।

माननीय उपराज्यपाल: माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास और सबका सम्मान का मूल मंत्र मेरी सरकार की दिशा तय करेंगे। मेरी सरकार इन्हीं सिद्धांतों पर लोगों की सेवा करने और न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व जो कि भारत के संविधान की प्रस्तावना में निहित है, पर आधारित प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति समर्पित है। मेरी सरकार लोगों की बढ़ती उम्मीदों और आकांक्षाओं के प्रति पूरी तरह सचेत है। आगामी 5 वर्षों में मेरी सरकार साधारण नागरिकों से संबंधित 5 बुनियादी जरूरतों समेत निम्न 10 प्रमुख क्षेत्रों पर व्यापक जोर देगी। भ्रष्टाचार मुक्त कुशल प्रशासन, सशक्त नारी, गरीब कल्याण, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था, विश्वस्तरीय सड़क परिवहन, स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त दिल्ली, यमुना नदी का पुनरुद्धार, स्वच्छ जल, अनधिकश्त कालोनियों का नियमितिकरण एवं किफायती आवास।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः गोपाल राय, सहीराम को बाहर करिये। पूरे दिन के लिए, चलिए बाहर करिये। मार्शल्स क्विकली करिये। चलिये बाहर करिये मार्शल्स फोलो द आर्डर्स इमीडिएट।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार उपरोक्त माननीय सदस्यों को मार्शल द्वारा सदन से बाहर किया गया एवं पूरे दिन के लिये सदन से निष्कासित किया।)

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः मार्शल्स मुझे आपके खिलाफ एक्शन न लेना पड़े कहीं देख लो आप। एलजी साहब खड़े हैं और आप लोग बहुत स्लो हैं, समझ गये आप।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः आप जारी रखिये।

माननीय उप-राज्यपालः मेरी सरकार विकसित दिल्ली संकल्प पत्र को नीतिगत दस्तावेज के रूप में अंगीकार करेगी और आम जन से किये गये वादों को पूरा करने के साथ ही उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की दिशा में आगे बढ़ेगी। यह नीति की दस्तावेज वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इस संबंध में सभी विभागाध्यक्षों को 100 दिवसीय कार्य योजना बनाकर विकास की रूपरेखा बनाने के निर्देश दिये गए हैं। मेरी सरकार ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की

रिपोर्टों को विधान सभा के पटल पर रखे जाने का निर्णय लिया है जिससे पिछली सरकार की प्रशासनिक कमियों को जानने और उन्हें दूर करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

आने वाले कुछ महीनों में मेरी सरकार की पहली प्राथमिकता सड़कों, नालियों, सीवर लाइनों, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा पीने के पानी की समस्याओं को दुरूस्त करने की होगी। साथ ही मेरी सरकार अब तक की लचर और भ्रष्ट शासकीय व्यवस्था, जिसको विज्ञापनों के मायाजाल ने छुपा रखा था उसे तत्काल प्रभाव से भ्रष्टाचार मुक्त कर सुदृढ़ और सुचारू बनायेगी।

मेरी सरकार का दृढ़ प्रयास होगा कि दिल्ली में राजस्व प्राप्ति को बढ़ाया जाए ताकि जन-कल्याणकारी तथा दीर्घकालिक ढांचागत योजनाओं के लिए पर्याप्त धन राशि उपलब्ध हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेरी सरकार दिल्ली के सतत औद्योगिक विकास तथा आर्थिक गतिविधियों एवं रोजगार को बढ़ावा देने वाली अनेक योजनाओं को लागू करेगी।

मेरी सरकार का मानना है कि Perpetuation of Poverty and Maintenance of Status Quo, cannot be a Matter of State Policy. इसके मद्देनजर मेरी सरकार समाज के सभी वर्ग- निम्न, निम्न मध्यम, मध्यम तथा उच्च, सभी के inclusive development का भी प्रयास करेगी।

साथ ही पहले दिन से ही मेरी सरकार यमुना की सफाई तथा वायु प्रदूषण की समस्या से निबटने के लिए अल्प, मध्यम तथा दीर्घकालिक परियोजना के तहत काम करेगी।

मेरी सरकार का उद्देश्य दिल्ली को देश का सबसे स्वच्छ मेट्रो शहर बनाना है..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त को मार्शल आउट करें, आउट करें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आउट करो।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार उपरोक्त माननीय सदस्य को मार्शल द्वारा सदन से बाहर किया गया।)

...व्यवधान...

माननीय उप-राज्यपालः मेरी सरकार का उद्देश्य दिल्ली को देश का सबसे स्वच्छ मेट्रो शहर बनाना है और 'स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग' में शीर्ष स्थान हासिल करना है। इसे हासिल करने के लिए हमें कई कार्य करने होंगे। मेरी सरकार गाजीपुर, ओखला और भलस्वा में कचरे के पहाड़ों को खत्म करने के लिए ठोस कचरा उपचार क्षमता बढ़ाने के समुचित प्रयास करेगी,..

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः इमरान हुसैन को मार्शल आउट करो, बाहर करो। बाहर करो।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार उपरोक्त माननीय सदस्य को मार्शल द्वारा सदन से बाहर किया गया।)

...व्यवधान...

माननीय उप-राज्यपालः और डीडीए के बांसेरा पार्क की तर्ज पर उनका पुनर्विकास करेगी।

मेरी सरकार सभी सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी वर्ग का आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ाने के लिए कदम उठायेगी, उन्हें काम करने की स्वतंत्रता देगी और नए विचारों का स्वागत करेगी। सरकार पारदर्शी व्यवस्था लागू करने और सरकारी सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी में सुधार पर जोर देगी। सरकारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं की समीक्षा की जायेगी ताकि उन्हें नागरिक हितैषी भ्रष्टाचार मुक्त और जवाबदेह बनाया जा सके। साथ ही खामियों और कमियों को दूर करने के लिये विभिन्न विभागों की जनशक्ति का आंकलन भी किया जायेगा। माननीय प्रधानमंत्री जी के 'जहां झुग्गी वहां मकान' 'पीएम उदय', 'आयुष्मान भारत' तथा 'पीएम सूर्य घर' योजना के अलावा दिल्लीवासियों के कल्याण के लिये और विकसित दिल्ली तथा देश की राजधानी को विश्व स्तरीय शहर बनाने के लिये मेरी सरकार की प्रतिबद्धता हमारे आठ संकल्पों में निहित है जिसके बारे में मैं इस सदन को संक्षेप रूप में बता रहा हूं।

मेरी सरकार ने कैबिनेट की पहली बैठक में ही दिल्ली में 'आयुष्मान भारत' योजना को लागू करने का फैसला ले लिया है। इसके तहत 5 लाख तक का मुफ्त ईलाज केंद्र सरकार द्वारा तथा 5 लाख तक का अतिरिक्त मुफ्त ईलाज मेरी सरकार द्वारा कराया जायेगा। इस प्रकार यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक लाभार्थी को 10 लाख रूपये तक का मुफ्त ईलाज प्राप्त हो सके।

हर गरीब महिला को प्रति माह 2500 रूपये दिये जायेंगे, हर गर्भवती महिला को 21 हजार रूपये की आर्थिक मदद और 6 पोषण किट दिये जायेंगे। हर गरीब परिवार की महिला को मात्र 500 रूपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराया जायेगा तथा होली एवं दिवाली के अवसर पर एक एक एलपीजी सिलेंडर मुफ्त दिया जायेगा।

सभी वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क ओपीडी तथा डायग्नोस्टिक सेवायें तथा 10 लाख रूपये तक का मुफ्त ईलाज उपलब्ध कराया जायेगा। वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन दो हजार रूपये से बढ़ाकर 2500 रूपये प्रतिमाह तथा 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों को, विधवाओं, बेसहारा एवं परित्यक्त महिलाओं की पेंशन 2500 से बढ़ाकर 3000 हजार रूपये कर दी जायेगी।

झुग्गी बस्तियों में अटल कैंटीन स्थापित कर मात्र 5 रूपये में पौष्टिक भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

मेरी सरकार जहां एक तरफ मौजूदा कल्याणकारी योजनायें जारी रखेगी वहीं इन योजनाओं को अधिक प्रभावी और भ्रष्टाचार मुक्त बनायेगी। मेरी सरकार का मानना है कि पिछले 10 वर्षों में हुई निरंतर टकराव तथा आरोप प्रत्यारोप की राजनीति ने दिल्ली का नुकसान किया है, इस अवांछित स्थिति को पूर्ण रूप से त्याग कर मेरी सरकार माननीय प्रधान मंत्री जी के cooperative and competitive federalism के सिद्धांतों के आधार पर केंद्र तथा अन्य राज्यों के साथ समन्वय और सहयोग से काम करेगी।

मेरी सरकार का मानना है कि विधायिका संसदीय लोकतंत्र का मूल आधार है और इस सदन का प्रथम दायित्व ये है कि यहां सरकार तथा जनता के मुद्दों पर सार्थक चर्चा विचार-विमर्श, बहस, असहमति तथा निर्णय हो। पिछले 10 वर्षों में इस सदन से यह परिपाटी पूर्णरूप से समाप्त हो चुकी थी और विचार-विमर्श और चर्चा की जगह अमर्यादित, असंसदीय आचरण ने ले ली थी। अनेक अवसर पर इस सदन का दुरूपयोग संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों को अपमानित करने के लिए किया जा रहा था। मेरी सरकार ये सुनिश्चित करेगी की इस सदन में ससंदीय मर्यादाओं का समुचित पालन हो और विपक्ष सहित यह सदन दिल्ली के लोगों के हित में चर्चा तथा विचार-विमर्श करे।

इस भव्य इमारत के महत्व को समझते हुए मेरी सरकार यह प्रयास करेगी कि इसका गौरवशाली इतिहास पूर्णरूप से उजागर हो और जिस प्रकार दिल्ली स्थित संसद भवन देश-विदेश से आए

पर्यटकों, छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र है, उसी प्रकार दिल्ली विधानसभा भी आकर्षण का केंद्र बने।

मेरी सरकार दिल्ली के लोगों के सपनों को साकार करने के लिए विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का सहयोग चाहती है ताकि दिल्लीवासियों का जीवन समृद्ध हो, उत्पादकता बढ़े, पर्यावरण प्रदूषण मुक्त हो और रोजगार एवं अर्थव्यवस्था का नवसर्जन हो।

मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि उन्होंने इस सदन के सदस्य के रूप में जो शपथ ली है उसे याद रखें और निश्चित करें कि जो विश्वास जनसाधारण ने उनपर व्यक्त किया है उसे निस्वार्थ सेवा के द्वारा नागरिकों के जीवनस्तर को उन्नत बनाकर चुकाएं और विकसित दिल्ली बनाने के संकल्प में अपनी भूमिका निभाएं।

मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं और आपके सार्थक विचार–विमर्श में सफलता की कामना करता हूं, जय हिन्द।

राष्ट्रगान

माननीय अध्यक्षः सदन की बैठक तीस मिनट बाद प्रारम्भ होगी, 12 बजे।

(सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित की गई।)

सदन अपराह्न 12.08 बजे पुनः समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः अब सचिव महोदय विधानसभा में उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण की हिन्दी तथा अंग्रेजी की प्रति सदन पटल पर प्रस्तुत करेंगे।

सचिव (विधानसभा): माननीय अध्यक्ष महोदय में आपकी अनुमति से माननीय उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण की हिन्दी तथा अंग्रेजी प्रति सदन पटल पर प्रस्तुत करता हूं।[2]

माननीय उप-राज्यपाल का अभिभाषण

माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यगण

1. मैं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की आठवीं विधानसभा के प्रथम सत्र में आपका स्वागत करता हूं।

2. आठवीं विधानसभा के इस उद्घाटन सत्र में, चुनावों के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के लिए, मेरी सरकार सम्मानित मतदाताओं और सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ-साथ, प्रशासनिक मशीनरी के प्रयासों की भी सराहना करती है।

3. सभी निर्वाचित सदस्यों को मेरी बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं, विशेष रूप से उन 32 सदस्यों को, जो इस प्रतिष्ठित सदन में पहली बार निर्वाचित हुए है। निर्वाचित 05 महिला सदस्यों का भी विशेष स्वागत है। मुझे विश्वास है कि आपके योगदान का निश्चित

---

[2] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23375 पर उपलब्ध।

रूप से, दिल्ली की महिलाओं के जीवन पर, सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

4. मैं माननीय मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को भी, नयी सरकार के गठन की शुभकामनायें देता हूँ।

5. माननीय सदस्यगण, इस ऐतिहासिक भवन में स्थित इस सदन का हिस्सा होना, अपने आप में ही गर्व का विषय है। यह ऐतिहासिक एवं भव्य इमारत 1912 से 1926 तक, Imperial Legislative Council तथा Central Legislative Assembly – यानि कि तत्कालीन भारत की संसद – हुआ करती थी।

6. आज जिस आसन पर माननीय अध्यक्ष बैठे हैं, उस पर कभी महान स्वतन्त्रता सेनानी और माँ भारती के सपूत श्री विट्ठलभाई पटेल आसीन हुआ करते थे। इसी ऐतिहासिक इमारत में Rowlatt Act पास हुआ और स्वतन्त्रता संग्राम की अनेक गाथाएं लिखी गईं।

7. विशाल जनादेश द्वारा दिल्ली की जनता ने मेरी सरकार और उसके संकल्प पत्र में समाहित नीतियों पर विश्वास व्यक्त किया है। मेरी सरकार को प्राप्त यह जनादेश, दिल्लीवासियों की आकांक्षाओं का सकारात्मक प्रतीक है और उनकी, अब तक अनदेखी और उपेक्षित आशाओं और अपेक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है।

8. मेरी सरकार, विनम्रतापूर्वक इस जनादेश को स्वीकार करते हुए, अपने आप को महात्मा गाँधी के सर्वोदय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय

के अन्त्योदय तथा बाबा साहेब के समता के सिद्धांतों के प्रति, प्रतिबद्ध करती है।

9. मेरी सरकार इस प्रचंड जनादेश को उन नीतिगत बदलावों की स्वीकृति के रूप में देखती है, जिनका वादा हमने जनता से किया था। लोगों ने न केवल व्यक्तिगत, बल्कि समावेशी विकास, नए दृष्टिकोण और न्यायसंगत प्रगति की मेरी सरकार की रूपरेखा में, विश्वास जताते हुए, अपना समर्थन दिया है।

10. प्रदेश की जनता ने 'विकसित दिल्ली' संकल्प पत्र में अपना विश्वास प्रकट कर, नयी सरकार को जनादेश देकर, सेवा का अवसर प्रदान किया है। मेरी सरकार पारदर्शी, और जवाबदेह सुशासन प्रदान करने के लिये संकल्पबद्ध है, जहां भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं होगा।

11. माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास और सबका सम्मान का मूल मन्त्र, मेरी सरकार की दिशा तय करेंगे। मेरी सरकार इन्हीं सिद्धांतों पर, लोगों की सेवा करने, और न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व, जो कि भारत के संविधान की प्रस्तावना में निहित है, पर आधारित प्रशासनिक व्यवस्था, के प्रति समर्पित है।

12. मेरी सरकार लोगों की बढ़ती उम्मीदों और आकांक्षाओं के प्रति पूरी तरह सचेत है। आगामी पांच वर्षों में, मेरी सरकार,

साधारण नागरिकों से सम्बंधित पांच बुनियादी जरूरतों समेत, निम्न दस प्रमुख क्षेत्रों पर, व्यापक जोर देगी:-

1. भष्टाचार मुक्त कुशल प्रशासन
2. सशक्त नारी
3. गरीब कल्याण
4. स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार
5. उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था
6. विश्वस्तरीय सड़क परिवहन
7. स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त दिल्ली
8. यमुना नदी का पुनरुद्धार
9. स्वच्छ जल
10. अनधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण एवं किफायती आवास

13. मेरी सरकार 'विकसित दिल्ली' संकल्प-पत्र को, नीतिगत दस्तावेज के रूप में, अंगीकार करेगी, और आमजन से किये गये वादों को पूरा करने के साथ ही, उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की दिशा में आगे बढ़ेगी। यह नीतिगत दस्तावेज, वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इस सम्बन्ध में, सभी विभागाध्यक्षों को, 100 दिवसीय कार्य योजना बनाकर, विकास की रूपरेखा बनाने के निर्देश दिये गये हैं।

14. मेरी सरकार ने, मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्टों को, विधानसभा के पटल पर रखे जाने का निर्णय लिया है, जिससे पिछली सरकार की प्रशासनिक कमियों को जानने और उन्हें दूर करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

15. आने वाले कुछ महीनों में, मेरी सरकार की पहली प्राथमिकता, सड़कों, नालियों, सीवर लाइनों, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा पीने के पानी की समस्याओं को दुरुस्त करने की होगी। साथ ही मेरी सरकार, अब तक की लचर और भ्रष्ट शासकीय व्यवस्था, जिसको विज्ञापनों के मायाजाल ने छुपा रखा था, उसे तत्काल प्रभाव से, भ्रष्टाचार मुक्त कर सुदृढ़ और सुचारू बनायेगी।

16. मेरी सरकार का दृढ प्रयास होगा कि, दिल्ली में राजस्व प्राप्ति को बढ़ावा दिया जाये, ताकि जन-कल्याणकारी तथा दीर्घकालिक ढांचागत योजनाओं के लिए, पर्याप्त धन राशि उपलब्ध हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, मेरी सरकार, दिल्ली के सतत औद्योगिक विकास, तथा आर्थिक गतिविधियों एवं रोजगार को बढ़ावा देने वाली, अनेक योजनाओं को लागू करेगी।

17. मेरी सरकार का मानना है कि Perpetuation of Poverty and Maintenance of Status Quo, cannot be a Matter of State Policy. इसके मद्देनजर, मेरी सरकार समाज के सभी वर्ग - निम्न, निम्न मध्यम, मध्यम तथा उच्च, सभी के inclusive development का प्रयास करेगी।

18. साथ ही, पहले दिन से ही मेरी सरकार, यमुना की सफाई तथा वायु प्रदूषण की समस्या से निबटने के लिए अल्प, मध्यम तथा दीर्घकालिक परियोजना के तहत काम करेगी।

19. मेरी सरकार का उद्देश्य, दिल्ली को देश का सबसे स्वच्छ मेट्रो शहर बनाना है, और 'स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग' में शीर्ष स्थान हासिल करना है। इसे हासिल करने के लिए, हमे कई कार्य करने होंगे। मेरी सरकार गाजीपुर, ओखला और भलस्वा में कचरे के पहाड़ों को, खत्म करने के लिए ठोस कचरा उपचार क्षमता बढ़ाने के समुचित प्रयास करेगी, और DDA के बांसेरा पार्क की तर्ज पर उनका पुनर्विकास करेगी।

20. मेरी सरकार, सभी सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी वर्ग का, आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ाने के लिए, कदम उठाएगी; उन्हें काम करने की स्वतंत्रता देगी और नए विचारों का स्वागत करेगी। सरकार पारदर्शी व्यवस्था लागू करने, और सरकारी सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी में, सुधार पर जोर देगी। सरकारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं की समीक्षा की जाएगी, ताकि उन्हें नागरिक हितैषी, भ्रष्टाचार मुक्त और जवाबदेह बनाया जा सके। साथ ही खामियों और कमियों को दूर करने के लिए, विभिन्न विभागों की जनशक्ति का आकलन भी किया जाएगा।

21. माननीय प्रधानमंत्री जी के, जहाँ झुग्गी वहीं मकान, PM-UDAY, आयुष्मान भारत तथा PM - सूर्य घर योजना के अलावा,

दिल्ली वासियों के कल्याण के लिए, और विकसित दिल्ली तथा देश की राजधानी को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लिए, मेरी सरकार की प्रतिबद्धता, हमारे आठ संकल्पों में निहित हैं, जिसके बारे में मैं, इस सदन को, संक्षेप में सूचित कर रहा हूँ।

22. मेरी सरकार ने कैबिनेट की पहली बैठक में ही, दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का फैसला ले लिया है। इसके तहत 05 लाख तक का मुफ्त इलाज केंद्र सरकार द्वारा, तथा 05 लाख तक का अतिरिक्त मुफ्त इलाज, मेरी सरकार द्वारा कराया जायेगा। इस प्रकार, यह सुनिश्चित होगा कि, प्रत्येक लाभार्थी को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्राप्त हो सके।

23. हर गरीब महिला को प्रति माह 2500 रूपए दिए जायेंगे।

24. हर गर्भवती महिला को 21,000 रूपए की आर्थिक मदद और 06 पोषण किट दिए जायेंगे।

25. हर गरीब परिवार की महिला को, मात्र 500 रूपए में LPG Cylinder उपलब्ध कराया जायेगा, तथा होली एवं दीपावली के अवसर पर, 01-01 LPG Cylinder मुफ्त दिया जायेगा।

26. सभी वरिष्ठ नागरिकों को, निःशुल्क OPD तथा Diagnostic सेवाएं, तथा 10 लाख रूपए तक का मुफ्त इलाज, उपलब्ध कराया जायेगा।

27. वरिष्ठ नागरिकों की पेंशन 2000 रूपए से बढ़ा कर, 2500 रूपए प्रति माह, तथा 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ

नागरिकों, विधवाओं, बेसहारा एवं परित्यक्त महिलाओं की पेंशन, 2500 रूपए से बढ़ा कर 3000 रूपए की जायेगी।

28. झुग्गी बस्तियों में Atal Canteens स्थापित कर, मात्र 5 रूपए में पौष्टिक भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

29. मेरी सरकार, जहाँ एक तरफ, मौजूदा कल्याणकारी योजनायें जारी रखेगी, वहीं, इन योजनाओं को, अधिक प्रभावी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाएगी।

30. मेरी सरकार का मानना है कि, पिछले 10 वर्षों में हुई निरंतर टकराव तथा आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति ने, दिल्ली का नुकसान किया है। इस अवांछित स्थिति को पूर्ण रूप से त्याग कर, मेरी सरकार, माननीय प्रधानमंत्री जी के Cooperative and Competitive Federalism के सिद्धांतों के आधार पर, केंद्र तथा अन्य राज्यों के साथ, समन्वय और सहयोग से काम करेगी।

31. मेरी सरकार का मानना है कि, विधायिका संसदीय लोकतंत्र का मूल आधार है, और इस सदन का प्रथम दायित्व ये है कि, यहां सरकार तथा जनता के मुद्दों पर, सार्थक चर्चा, विचार-विमर्श, बहस, असहमति तथा निर्णय हों। पिछले 10 वर्षों में, इस सदन से यह परिपाटी, पूर्ण रूप से समाप्त हो चुकी थी, और विचार-विमर्श और चर्चा की जगह, अमर्यादित, असंसदीय आचरण ने ले ली थी। अनेक अवसरों पर, इस सदन का दुरूपयोग, संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों को, अपमानित करने के लिए किया गया।

32. मेरी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि, इस सदन में संसदीय मर्यादाओं का समुचित पालन हो, और विपक्ष सहित यह सदन, दिल्ली के लोगों के हित में, चर्चा तथा विचार-विमर्श करे।

33. इस भव्य इमारत के महत्व को समझते हुए, मेरी सरकार यह प्रयास करेगी कि, इसका गौरवशाली इतिहास पूर्ण रूप से उजागर हो, और जिस प्रकार, दिल्ली स्थित संसद भवन देश-विदेश से आये पर्यटकों, छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र है, उसी प्रकार, दिल्ली विधान सभा भी, आकर्षण का केंद्र बने।

34. मेरी सरकार दिल्ली के लोगों के सपनों को साकार करने के लिए, विधान सभा के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का सहयोग चाहती है, ताकि दिल्ली वासियों का जीवन समृद्ध हो, उत्पादकता बढ़े, पर्यावरण प्रदूषण मुक्त हो, और रोजगार एवं अर्थव्यवस्था का नवसृजन हो।

35. मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि, उन्होंने इस सदन के सदस्य के रूप में जो शपथ ली है, उसे याद रखें, और निश्चित करें, कि जो विश्वास जन-साधारण ने उन पर व्यक्त किया है, उसे निस्वार्थ सेवा के द्वारा, नागरिकों के जीवन स्तर को उन्नत बनाकर चुकाएं, और विकसित दिल्ली बनाने के संकल्प में, अपनी भूमिका निभायें।

36. मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं, और आपके सार्थक विचार - विमर्श में सफलता की कामना करता हूं।

जय हिन्द

Address of Hon'ble Lt. Governor

Hon'ble Speaker and Members,

1. I welcome you all to the First Session of the Eighth Legislative Assembly of the National Capital Territory of Delhi.

2. In this inaugural session of the Eighth Legislative Assembly, my Government appreciates the voters and leaders of all political parties, as well as the administrative machinery, for the successful and peaceful conduct of the elections.

3. My congratulations and heartiest wishes to all the elected Members, especially to the 32 Members who have been elected for the first time in this august House. The 05 elected women Members are especially welcomed. I am confident that your contribution will definitely have a positive impact on the lives of the women of Delhi.

4. I also extend my best wishes to the Hon’ble Chief Minister and all the members of the Cabinet for successful formation of the new Government.

5. Hon’ble Members, being a part of this House situated in this historic building is a matter of pride in itself. This historic and magnificent building used to be the Imperial Legislative Council and

Central Legislative Assembly - i.e. the Parliament of the then India - from 1912 to 1926.

6. The seat on which Hon'ble Speaker is sitting today was once occupied by the great freedom fighter and son of the Mother India, Shri Vitthalbhai Patel. In this historic building, the Rowlatt Act was passed and many stories of the freedom struggle were written.

7. Through a massive mandate, the people of Delhi have expressed their faith in my Government and the policies contained in its manifesto. This mandate is a positive symbol of the aspirations of the people of Delhi and reflects their hopes and expectations, which have been ignored and neglected till now.

8. My Government, while humbly accepting this mandate, commits itself to the principles of Sarvodaya of Mahatma Gandhi, Antyodaya of Pandit Deendayal Upadhyaya and Equality of Baba Saheb.

9. My Government sees this massive mandate as an acceptance of the policy changes we had promised to the people. People have given their support, expressing faith in my Government's framework for not only individual but also for the inclusive development, new vision and equitable progress.

10. The people have given the new Government an opportunity to serve by expressing their faith in the ‘Viksit Delhi’ resolution. My Government is committed to provide transparent and accountable good governance, where there will be no place for corruption.

11. The basic mantra of Hon’ble Prime Minister, Shri Narendra Modi ji, Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas, Sabka Prayas and Sabka Samman, will determine the direction of my Government. My Government is dedicated to serving the people on these principles and to an administrative system based on Justice. Freedom, Equality and Fraternity, which are enshrined in the Preamble of the Constitution of India.

12. My Government is fully aware of the growing expectations and aspirations of the people. In the next five years, my Government will give extensive emphasis to the following ten key areas, including the five basic needs of the ordinary citizen:-

1. Corruption free efficient administration
2. Empowerment of women
3. Welfare of the Poor
4. Improvement in Health facilities

5. Excellent education system

6. World class road transport

7. Clean and pollution free Delhi

8. Revival of Yamuna river

9. Clean water

10. Regularization of unauthorized colonies and affordable housing

13. My Government will adopt the 'Viksit Delhi' resolution as a policy document and will move forward in the direction of fulfilling the promises made to the common people as well as meeting their expectations. This policy document will be the top priority of the present Government. In this regard, all the department heads have been instructed to prepare a 100-day action plan and prepare a development plan.

14. In the first cabinet meeting itself, my Government has decided to table the reports of the Comptroller and Auditor General of India in the Assembly, which will pave the way for knowing and removing the administrative shortcomings of the previous Government.

15. In the coming few months, the first priority of my Government will be to fix the problems of roads, drains, sewer lines, health facilities and drinking water. Along with this, my Government will make the weak and corrupt Government system, which was hidden behind the illusion of advertisements, corruption-free and strong and smooth with immediate effect.

16. My Government will make a strong effort to promote revenue collection so that adequate funds are available for public welfare and long-term infrastructure schemes. To achieve this goal, my Government will implement many schemes to promote sustainable industrial development of Delhi and economic activities and employment.

17. My Government believes that ‘Perpetuation of Poverty and Maintenance of Status Quo’ cannot be a matter of state policy. In view of this, my Government will strive for the inclusive development of all the sections of society- lower, lower middle, middle and upper.

18. From day one, my Government will work on short, medium and long term projects to clean the Yarnuna and tackle air pollution.

19. My Government aims to make Delhi the cleanest metro city in the country and top the ‘5wachh Survekshan Ranking’• To

achieve this, we have to do many things. My Government will make adequate efforts to increase solid waste treatment capacity to eliminate garbage mountains in Ghazipur, Okhla and Bhalswa, and redevelop them on the lines of DDA's Bansera Park

20. My Government will take steps to increase the confidence and morale of all Government officials and employees; will give them freedom to work and welcome new ideas. The Government will focus on implementing a transparent system and improving the timely delivery of Government services. Government systems and processes will be reviewed to make them citizen friendly, corruption free and accountable. Also, manpower assessment of various Departments shall be done to remove shortcomings and deficiencies.

21. Apart from Hon'ble Prime Minister's Jahan Jhuggi Wahin Makaan', PM-UDAY, Ayushman Bharat and PM Surya Ghar Yojana, my Government's commitment to the welfare of Delhiites and to make Delhi a developed and Country's capital a world-class city is contained in our eight resolutions, about which I am briefly informing this august House.

22. My Government has decided to implement 'Ayushman Bharat Yojana' in Delhi in its first cabinet meeting itself. Under this,

free treatment up to Rs. 5 Lakh will be provided by the Central Government and additional free treatment up to Rs. 5 Lakh will be provided by my Government. In this way, it will be ensured that every beneficiary can get free treatment up to Rs. 10 Lakh.

23. Every poor woman will be given Rs. 2500 per month.

24. Every pregnant woman will be given financial assistance of Rs. 21,000 and 6 nutrition kits.

25. LPG cylinder will be made available to every woman of poor family for just Rs. 500 and on the occasion of Holi and Deepawali, one LPG cylinder will be given free of cost.

26. Free OPD and diagnostic services and free treatment up to Rs. 10 lakh will be made available to all Senior Citizens.

27. Pension of Senior Citizens will be increased from Rs. 2000 to Rs. 2500 per month and pension of Senior Citizens above 70 years of age, widows, destitute and abandoned women will be increased from Rs. 2500 to Rs. 3000.

28. By setting up ‘Atal Canteens’ in slums, nutritious food will be provided for just Rs. 5.

29. While my Government will continue the existing welfare schemes on one hand, it will also make these schemes more effective and corruption free.

30. My Government believes that the politics of constant confrontation and blame game in the last 10 years has harmed Delhi. By completely abandoning this unwanted situation, my Government will work in coordination and cooperation with the Centre and other States on the basis of the principles of 'Cooperative and Competitive Federalism' of Hon'ble Prime Minister.

31. My Government firmly believes that the legislature is the cornerstone of parliamentary democracy, and the primary duty of this esteemed House is to engage in meaningful discussions, deliberations, debates, disagreements, and decisions on matters concerning the Government and the people. However, over the past 10 years, this practice has completely vanished from this House, replaced instead by indecent and unparliamentary conduct. On many occasions, this House has been misused to insult people holding constitutional posts.

32. My Government will ensure that parliamentary decorum is properly followed in this House and this House, along with the opposition, discusses and deliberates in the interest of the people of Delhi.

33. Understanding the importance of this magnificent building, my Government will make efforts to fully highlight its glorious history and just as the Parliament House in Delhi is a centre of attraction for tourists, students and researchers from the country and abroad in the same way, the Delhi Legislative Assembly should also become a centre of attraction.

34. My Government earnestly seeks cooperation of all the newly elected Members of the Legislative Assembly in fulfilling the aspirations of the people of Delhi, that their lives may be enriched, their labors made more fruitful, the environment rendered pure and free from pollution, and the realms of employment and economy revived to prosperity.

35. I urge all the Hon'ble Members to always remember the oath taken as a Member of this House, and ensure that you repay the trust the common man has expressed in you through selfless service, by improving the living standards of the citizens and actively contribute to the mission of building a developed Delhi.

36. I extend my best wishes to all of you, and wish you success in your meaningful deliberations.

Jai Hind

माननीय अध्यक्षः अब श्रीमती रेखा गुप्ता माननीय मुख्यमंत्री कार्यसूची के बिन्दू क्रमांक-2 में दर्शाये गये निम्नलिखित दस्तावेज की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करेंगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का दिल्ली में शराब के विनियम और आपूर्ति पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन वर्ष 2024 का प्रतिवेदन संख्या-1 प्रस्तुत करेंगी।

माननीय मुख्यमंत्री (श्रीमती रेखा गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का दिल्ली में शराब के विनियम और आपूर्ति पर निष्पादक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन (वर्ष-2024 का प्रतिवेदन संख्या-1) की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करती हूं।[3]

माननीय अध्यक्षः सीएजी की रिपोर्ट की प्रति सभी सदस्यों को वितरित की जायें । माननीय सदस्यगण मैं आपको भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट को सदन में प्रस्तुत करने से संबंधित पृष्ठभूमि से अवगत कराना चाहता हूं। सदन में सदस्यों को सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा करने में सहायता करने के लिये इसको उजागर करना जरूरी है क्योंकि उक्त रिपोर्ट अब सदन के विचाराधीन है, यह इसलिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सदन के कई सदस्य पहली बार चुनकर आये हैं और इस पृष्ठभूमि की जानकारी मिलने से उन्हें रचानात्मक ढंग से चर्चा में भाग लेने में मदद मिलेगी। सीएजी एक संवैधानिक संस्था है जो जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को

[3] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23376 पर उपलब्ध।

बढ़ावा देती है। इसे संवैधानिक प्रहरी भी कहा जाता है और इसकी कार्यप्रणाली को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान की मूल संरचना कहा है। सीएजी जनता, विधायिका और कार्यपालिका को यह स्वतंत्र और विश्वसनीय आश्वासन देती है कि सार्वजनिक धन एकत्रित किया जा रहा है और उसका प्रभावी ढंग से कुशलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा हैं। यह आश्चर्यजनक तथ्य है कि वर्ष 17-18 के बाद से 2017-18 से सीएजी की रिपोर्ट को सदन पटल पर प्रस्तुत नहीं किया गया है इस संबंध में विपक्ष के तत्कालीन नेता अर्थात् उस समय मैं विपक्ष का नेता था, के नेतृत्व में तत्कालीन विपक्षी विधायकों ने जो इस सदन के सदस्य भी हैं, उनमें से 05 सदस्य हैं, ने सीएजी रिपोर्ट को सदन में प्रस्तुत करने के लिये माननीय राष्ट्रपति, तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष, तत्कालीन मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री और मुख्य सचिव से अनुरोध किया था। राज्य की वित्तीय हालत के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिये यह बहुत जरूरी था। मैं इस बात से बहुत पीड़ित हूं कि सीएजी रिपोर्ट को दबा दिया गया और पिछली सरकार ने इस रिपोर्ट को इस सदन में प्रस्तुत न करके संवैधानिक प्रावधानों का जानबूझकर उल्लंघन किया। इस संबंध में मैं सदस्यों का ध्यान माननीय उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका संख्या 1821/2024 में दिनांक 24 जनवरी, 2025 को दिये गये अपने फैसले में की गई टिप्पणी की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। साथियों ये जो सीएजी की रिपोर्ट आज प्रस्तुत की जा रही है वास्तविकता में एक भ्रांति फैलाई गई जिसको मैं सदन

के समक्ष स्पष्ट करना चाहता हूं कि रिपोर्ट स्पीकर को दे दी गई है लेकिन हाई कोर्ट ने जो टिप्पणियां की हैं इस पूरे मामले में उससे आपको स्पष्ट हो जायेगा कि सीएजी की रिपोर्ट को किस तरह से दबाया गया। हाई कोर्ट के फैसले में कहा गया 39 पैरा–39 "it would be subprovise of the Constitution mandate to withhold these reports from the Legislature for an inorderinately long period after the same have been forwarded by the C&AG to the concerned government."अब मैं इसका अनुवादित पक्ष पढ़ रहा हूं। इन रिपोर्टों को सीएजी द्वारा संबंधित सरकार को भेजे जाने के बाद इन्हें विधायिका से अर्थात् सदन से सदस्यों से बहुत लम्बे समय तक रोके रखना संवैधानिक जनादेश के विरूद्ध होगा ये हाई कोर्ट की टिप्पणी है दूसरा" it is quiet evident 41-para हाई कोर्ट के फैसले का it is quiet evident that most of these C&AG reports were kept pending with the respondent No.1 Delhi Government, Respondent No.2 Chief Minister for an inordinately long period of time यह स्पष्ट है कि इनमें से अधिकांश सीएजी रिपोर्ट प्रतिवादी दिल्ली सरकार और प्रतिवादी मुख्यमंत्री के पास लम्बे समय तक लम्बित रखी गई। पैरा–43 "it is also evident that the concerned respondent Govt. Of NCT was remised in forwarding the concerned C&AG reports to the LG as mandated under Article 151 (2) of the Constitution of India even after this aspect was stuntly agitated by filing writ petition bearing No. WP15341 of 2024" कोर्ट ने कहा यह भी स्पष्ट है कि संबंधित प्रतिवादी दिल्ली सरकार ने भारत के संविधान के

अनुच्छेद–151(2) के तहत उपराज्यपाल को संबंधित सीएजी रिपोर्ट अग्रेसित करने में लापरवाही बरती, जब जानबूझकर उसको रोके रखा जबकि इस पहलू को रिट याचिका दायर करके जोरदार तरीके से उठाया गया था अर्थात् संविधान के अनुच्छेद–151(2) का खुला उल्लंघन हुआ और उस अनुच्छेद के अनुसार सरकार को ये रिपोर्ट एलजी के पास समय रहते भेजनी थी लेकिन जानबूझकर सरकार ने रिपोर्ट को अपने पास दबाये रखा। ये हाई कोर्ट ने ये जब आप लोग चर्चा में भाग लें तो आपको तथ्य आपके समक्ष होने चाहियें। पैरा–45 “even thereafter, the respondent Government of Delhi did not act with alacrityin the matter" इसके बाद भी दिल्ली सरकार ने मामले में तत्परता से काम नहीं लिया। कोर्ट में आने के बाद भी सरकार अड़ी रही रिपोर्ट को अपने पास दबाकर रखने में। 46 ये हाई कोर्ट की टिप्पणियां पढ़ रहा हूं जो किस प्रकार से संवैधानिक शक्तियों का उल्लंघन हुआ है, किस तरह से रिपोर्ट को छुपाया गया है 46- "it is quite evident there has been an inordinate delay on the part of the respondent Government of Delhi in taking requisite steps for laying the CAG reports before the Legislative Assembly, the sequence of events and the timeline has revealed it disdainful disregard by the Government of Delhi of its constitutional obligation" यह बिल्कुल स्पष्ट है हाई कोर्ट कहता है ये बिल्कुल स्पष्ट है कि प्रतिवादियों दिल्ली सरकार की ओर से विधानसभा के समक्ष सीएजी रिपोर्ट रखने के लिये अपेक्षित कदम उठाने में अत्यधिक देरी की गई, घटनाओं का क्रम और समयबद्धता प्रतिवादियों राष्ट्रीय राजधानी

क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा अपने संवैधानिक दायित्वों के प्रति तिरस्कारपूर्ण उपेक्षा को दर्शाते हैं अर्थात् दिल्ली सरकार ने संवैधानिक दायित्वों का तिरस्कार किया ये हाई कोर्ट की टिप्पणी में कहा गया रिपोर्ट को पेश ना करके। ये माननीय these are the words of Hon'ble High Court. These are very critical and strong observations. In Para 49, the Hon'ble Court has said, "it is directed that once the Legislative Assembly is constituted and summoned, pursuant to the upcoming elections, requisite steps shall be taken by the respondent Govt. of Delhi inter alia under rule 24, 27 and 289 of the Rules of Procedure for the purpose of laying the C&AG Reports as expeditiously as possible." यह माननीय उच्च न्यायालय के शब्द है। ये बहुत ही गम्भीर और कड़ी टिप्पणी है। इसके अलावा पैरा 49 में माननीय न्यायालय ने कहा है ''यह निर्देश दिया जाता है कि आगामी चुनावों के बाद जैसे ही विधान सभा का गठन होता है और सदन को आहुत किया जाता है, दिल्ली सरकार द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ प्रक्रिया नियमों के नियम 24, 27 और 289 के तहत सीएजी रिपोर्ट को यथाशीघ्र सदन के पटन पर रखने के लिए आवश्यक कदम उठाये जाये।'' अतः यह बहुत ही खुशी की बात है कि नई सरकार द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के मद्‌दे नजर और अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए दिल्ली की जनता के प्रति पहले ही सत्र में पहले ही दिन आज सीएजी रिपोर्ट को सदन पटल पर प्रस्तुत किया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि सीएजी रिपोर्ट में दिये गए निष्कर्षो और सार्थक, साकारात्मक विचार विमर्श करेंगे। आज हम

एक रिपोर्ट ला रहे हैं। उसका कारण ये है कि ये वॉल्यूमिनस है बहुत बड़ा चूंकि ये पिछले कई वर्षो का बैकलॉग है और हम चाहते हैं कि दिल्ली की जनता के सामने सब चीजें बहुत स्पष्ट रूप से आयें। इसलिए आज एक रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी गई है और इसी तरह से आने वाले दिनों में दूसरी रिपोर्ट लाई जायेगी। मैं चाहता हूं इस रिपोर्ट पर सदन में कुछ सदस्य जिनके मेरे पास नाम आये हैं वो पूरी तरह आतुर है कि हम इस चर्चा में भाग लेना चाहते हैं। सीएजी रिपोर्ट के बारे में क्योंकि सीएजी की रिपोर्ट आज यहां पर ले हो गई है इस लिए मैं इस चर्चा को ऑन करता हूं और चूंकि ये मामला बहुत गम्भीर मामला है। सीएजी की रिपोर्ट को दबाना एक तरह का क्रिमिनल आफेंस है मेरी नजर में। तो इस पर सभी सदस्य अपनी भावनाओं को व्यक्त करना चाहते है। जितने सदस्य मौजूद हैं सभी की तरफ से रिक्वेस्ट आ रही है लेकिन आज हम इसकी चर्चा शुरू करते हैं। अरविन्दर सिंह लवली से।

श्री अरविन्दर सिंह लवली: धन्यवाद अध्यक्ष जी। मैं जहां आज के शानदार एलजी एड्रैस के लिए मुख्यमंत्री साहिबा को और उनकी पूरी काउंसिल को दिल से बहुत मुबारकबाद पेश करना चाहता हूॅं और मै समझता हूं बहुत शानदार एलजी एड्रैस जो है आज इस सदन में आया है उसके ऊपर विस्तार से चर्चा, जब एलजी एड्रैस शुरू होगी हम करेंगे। अध्यक्ष जी, मैं आपकी पीड़ा समझ सकता हूं। निश्चित रूप से बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे

बड़ा लोकतंत्र का बाबा साहेब के जो ठेकदार बन रहे हैं, बाबा साहेब के सपनों को चकनाचूर करने का कोई काम नहीं हो सकता कि आपको पन्द्रह मिनट ये समझाने में लगा है, आपको ये बोलना पड़ रहा है कि सीएजी की रिपोर्ट जो है हम रख रहे है, जैसे हम बहुत बड़ा काम कर रहे हैं। ये संविधान की प्रक्रिया है। जिस परिकल्पना, जिस लोक तंत्र की परिकल्पना बाबा साहेब ने करी थी जब संविधान को फ्रेम किया गया था तब उसमें एक नेचुरल कोर्स में यह है कि कोई भी सरकार की मर्जी नहीं है कि वो सीएजी की रिपोर्ट रखे या ना रखे, मैंडेटरी है। ये विधान सभा बनी ही इस लिए है और इस विधान सभा का अपमान हो, जिस सदन के अंदर हिन्दुस्तान की पार्लियामेंट चली हो उस पार्लियामेंट वाले सदन में दिल्ली की विधान सभा चल रही है। हम लोग सब जो है सौभाग्यशाली हैं और उस विधान सभा में आप 2017 में कह रहे हो लेकिन आप उसका इस बात पर समझिये कि 2015 में इनकी सरकार बनी। यानि की इनकी सरकार बनने के बाद इन्होने सुनिश्चित किया कि एक भी सीएजी रिपोर्ट इनके सरकार के कार्य करने की जो है इस सदन में ना आये इससे बड़ा दुर्भाग्य, इससे बड़ा जो है लोकतंत्र के लिए शर्मनाक दिन कोई हो नहीं सकता। आप नारे लगा रहे हो बाबा साहेब के और सपनों की हत्या कर रहे हो बाबा साहेब की और नारे भी लगा रहे हो। सबसे सामने अगर इनकी सीट पर अगर किसी की फोटो नजर आती है तो बाबा साहेब अम्बेडकर की यहां पर फोटो नजर आती है और उनकी फोटो

देखकर जो है उनके विचारों की हत्या करने का काम आप लोग कर रहे हो। ये मुझे दिल से पीड़ा हो रही है कि आज हम इस बात पर ही अपने आप को बहुत बड़ा काम मान रहे है कि हमने सीएजी की रिपोर्ट जो है, भई आप कैसे रोक सकते हो सीएजी की रिपोर्ट को। तो जो पार्टी अन्ना हजारे के आन्दोलन से निकली हो। वो अन्ना हजारे का आन्दोलन क्या था, वो आन्दोलन था भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने का और वो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने का मूल कारण क्या था, सीएजी की रिपोर्ट। सीएजी की रिपोर्ट के अंदर जो केन्द्र सरकार पर उस समय भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे उन, यहां दिल्ली सरकार पर जो भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, उन आरोपों की वजह से तो ही आप आन्दोलन में बैठे थे। आप सीएजी की रिपोर्ट के बेसिज पर ही तो जो है रामलीला मैदान में बैठे थे। सीएजी की रिपोर्ट के बेस पर ही आपने पूरे देश में आन्दोलन चलाया था। सीएजी की रिपोर्ट के बेस पर ही आपने आम आदमी पार्टी बनाई थी। आज आप खुद ही सीएजी की रिपोर्ट नहीं रखना चाहते। आप जन लोकपाल की बात करते थे। जन लोकपाल तो दूर की बात है। मैं समझता हूं कि दिल्ली के ये ग्यारह साल पूरी दिल्ली की लोकतांत्रिक व्यवस्था के सबसे शर्मनाक ग्यारह साल होंगे कि एक चुनी हुई सरकार जो है वो सीएजी की रिपोर्ट रखने से भी जो है परेशान कर रही है। मैं बधाई देना चाहता हूं रेखा गुप्ता जी को और उनकी पूरी काउंसिल को होम मिनिस्टर्स को कि आपने प्रधान मंत्री जी ने जो दिल्ली के लोगों से वायदा किया था आपने कैबिनेट में आने के बाद जो सबसे जो है

आपने जो है सीएजी की रिपोर्ट ले करने का और जैसा अध्यक्ष जी ने कहा क्योंकि वाल्यूम इतना बड़ा है और उसको पढ़ने समय लगेगा आज आपने फस्ट वाल्यूम आपने टेबल पर रखा है। ना केवल आपने दिल्ली के लोगों से किया हुआ वायदा निभाया है, मैं समझता हूं कि लोकतान्त्रिक मूल्यों को दिल्ली की इस पवित्र विधान सभा में, इस ऑगस्ट हाउस में आपने पुनः स्थापित करने का काम किया है ये उसके लिए आपकी जितनी बधाई आपको दी जाये उतनी कम है। सीएजी की रिपोर्ट आयेगी इसको हम पढ़ेंगे अध्यक्ष जी। मैं आपसे ये कहना चाहूंगा कि नार्मल हालात में सीएजी की रिपोर्ट जो है वो पीएसी के मैम्बर्स देखते हैं। लेकिन ये नार्मल हालात नहीं है। दस सालों से सीएजी की रिपोर्ट इस सदन में नहीं आई है। दस सालों का हिसाब किताब लेने की बात है। तो नार्मल पीएसी को बहुत समय लग जायेगा और मैं समझता हूं कि उन दस सालों की सीएजी रिपोर्ट आकर एक विशेष चर्चा जो है इनके दस साल के कार्यकाल में और उस रिपोर्ट के ऊपर अंदर इस सदन को करना चाहिए ताकि जो है इनका भ्रष्टाचार जो है वो लोगों के सामने आ जाये। नार्मल रूटीन में हम सीएजी की रिपोर्ट पीएसी में डिस्कस करते हैं आगे भी करेंगे। लेकिन क्योंकि ये एक्सट्राऑर्डिनरी हालात है तो हमको जो है इनको एक्सपोज करने की जो है आवश्यकता है। अध्यक्ष जी, मुझे ये तकलीफ है इस बात की और मैं ये कहना चाहूंगा कि सीएजी की रिपोर्ट का डर है इनको आम आदमी पार्टी के लोगों को। ये कोशिश कर रहे हैं

कि बाबा साहेब के फोटो के पीछे छिपकर, भगत सिंह जी की फोटो के पीछे छिपकर अपने उस भ्रष्टाचार को ये छुपा लेंगे। ये गलत फहमी के शिकार है अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी, बाबा साहेब हम सब लोगो के लिए पुण्य है। हम सब लोग जो है उनका मान और सम्मान करते हैं। किसी भी राजनैतिक दल का व्यक्ति जो है उनका मान और सम्मान करता है। भारतीय जनता पार्टी और हमारे प्रधान मंत्री जी बार-बार बाबा साहेब अम्बेडकर जी के सम्मान की बात करना चाहते हैं। लेकिन बाबा साहेब अम्बेडकर जी ने ये जब संविधान बनाया था। आज अगर हम लोग संविधान का पालन करते हैं तो संविधान का पालन हम इस लिए करते हैं कि हम ऐेज ऐ विधायक कल हमने जब ओथ ली हमने क्या ओथ ली कि हम जो है संविधान के प्रति अपनी जो है आस्था रखेंगे, अक्षुण रखेंगे, हम संविधान की जो है हम सम्मान करेंगे। उस संविधान के निर्माता कौन है? उस संविधान के निर्माता जो है बाबा साहेब अम्बेडकर है। इस देश की प्रथा क्या रही है? इस देश की प्रथा रही है कि जो भी संवैधानिक पद पर है और बाबा साहेब का स्वप्न था ये कि जो भी संवैधानिक पद पर है चाहे वो देश के राष्ट्रपति हैं, चाहे वो देश के प्रधान मंत्री हैं सारे सरकारी ऑफिसरों में कार्यालय में उनकी फोटोग्राफ लगेगी। अध्यक्ष जी, मैं आज भारतीय जनता पार्टी का सदस्य हूं, लेकिन उससे पहले लम्बे समय तक कांग्रेस पार्टी में मैं और राजकुमार जी रहे हैं। लम्बे समय तक दिल्ली सरकार में मंत्री रहा हूं मैं। मुझे आज भी याद है कि मैं जब मंत्री था उस

समय जो है है केन्द्र के अंदर जो है वो एनडीए की सरकार थी, अब्दुल कलाम जी देश के राष्ट्रपति थे, अटल बिहारी जी देश के प्रधान मंत्री थे। क्योंकि ये मैंडेटरी है और बाबा साहेब ने जो है संविधान की रचना की है। मेरे ऑफिस में और सारे मंत्रियों के ऑफिस में अब्दुल कलाम जी का और अटल बिहारी वाजपेयी जी की फोटोग्राफ जो है लगी हुई थी। ये संवैधानिक परम्परा है इस देश की। जो आज बाबा साहेब हमारे लिए सम्मानित हैं। आज भी हमारे मुख्यमंत्री जी ने बाबा साहेब अम्बेडकर जी की फोटो लगाई हुई है। लेकिन मैं इनसे प्रश्न पूछना चाहता हूं कि बाबा साहेब के उन सपनों को इसमें ये लिखा गया है कि संवैधानिक पद पर रहने वाले राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की फोटो जो है वो गवर्नमेंट के कार्यालय में होगी उसको हटाने का काम किसने किया इसको जो है इन्होंने देश और सदन को अपमानित किया है। मैं रेखा जी को मुबारकबाद देना चाहता हूं माननीय मुख्य मंत्री जी को कि आपने बाबा साहब की उन संसदीय परंपराओं को बरकरार रखने का काम दोबारा दिल्ली में किया है माननीय प्रधानमंत्री जी और राष्ट्रपति जी की फोटो लगाने की। किसने महात्मा गांधी जी की फोटो लगाई है बाबा साहब जी की फोटो होनी चाहिए लेकिन बाबा साहब जी के जो आदर्श खाली फोटो से काम नहीं चलेगा उन्होंने जो आदर्श दिये हैं, उन्होंने जो रास्ता दिखाया है देश को चलने के लिए उस रास्ते पर भी चलना पड़ेगा, उन संसदीय परंपराओं का निर्वाह करना पड़ेगा जो बाबा साहब ने इस सारे देश को दिखाया उसका वो नहीं

करोगे। आप भगत सिंह जी की फोटो दिखाओगे। भगत सिंह जी ने क्या कहा है कि शराब घोटाले करके जेल जाओ। भगत सिंह जी ने ये बताया है कि आप जो है स्कूलों में घोटाले करो, आप हेल्थ में घोटाले करो। सीएजी की रिपोर्ट्स आएंगी अभी दूध का दूध पानी का पानी जो है वो निश्चित रूप से होगा ये कहा था भगत सिंह जी ने आप भगत सिंह जी की फोटो की बात कर रहे हो और भगत सिंह जी के प्रदेश का आपने क्या हाल किया है। आपका मुख्य मंत्री वहां पर है वो एक ऐसे व्यक्ति को ऐसे डिपार्टमेंट का मंत्री बना देता है जो डिपार्टमेंट एग्जीस्ट ही नहीं करता। ये भगत सिंह जी के सपने थे कि 2 साल तक आपको ये ही नहीं पता लगा कि ये डिपार्टमेंट ही नहीं है वो सचिवालय नहीं जाता वो मीटिंग नहीं अटेंड करता, न मुख्य मंत्री को पता लगता है न मंत्री को पता लगता है ये भगत सिंह जी के स्वपन आप जो हैं आप पूरे कर रहे हो। ये किस तरह की बात कर रहे हैं अध्यक्ष जी। मैं चाहता था आज विपक्ष के लोग यहां पर हों उनके सामने जो है आंख में आंख डालकर बात करूं। मगर अध्यक्ष जी आपके पीछे सदन में बहुत सारे हमारे नये सदस्य आए हैं। मेरा सौभाग्य रहा है इस सदन में बहुत सालों तक रहने का। हमारे पुराने साथी मोहन सिंह बिष्ट जी यहां पर बैठे हैं, कुलवंत राणा बहुत पुराने साथी मनोज जी हमारे बहुत पुराने साथी भी इस विधानसभा में रहे हैं। आप लोगों के साथ भी तीन टर्म में रहे हैं लेकिन आप लोगों का दुर्भाग्य रहा कि आप ऐसे समय में एमएलए बने जब लोकतांत्रिक मूल्य इस सदन के खत्म हो गये थे। वो सदन किस

काम का है जिस सदन के अंदर जो है क्वेश्चन ऑवर खत्म कर दे और वो सरकार बाबा साहब के सपनों की बात करे। वो सदन किस काम का है, ये सदन किसलिए होता है, इस सदन के सदस्यों को हम विधायक क्यों कहते हैं? इस सदन का मूल काम विधायी कार्य है। ये सदन केवल सरकारी बिजनेस के लिए नहीं है कि सरकार कोई बिल लेकर आए, सरकार बजट लेकर आए हम पास कर दें और हमारी ड्यूटी खत्म। हमारी क्या सोच इस समाज के प्रति है बाबा साहब ने हमको ये अधिकार दिये। हम फ्राइडे का डे प्राइवेट मेंबर डे इसलिए रखते हैं कि हमारी जो सोच है और मैं खुद एज ए एमएलए मैं न जाने कितने प्राइवेट मेंबर बिल इस सदन में लेकर आया जिसको बाद में सरकार ने सरकारी तंत्र बनाकर उसको ऑफिशियल बिल्स बनाए हैं। ये बाबा साहब की बात करेंगे। ये बताएंगे की प्राइवेट मेंबर डे का खत्म करने का जो है पाप किसने जो है दिल्ली के इस सदन में किया। अध्यक्ष जी आप पुराने मेंबर हैं मैं आपकी अध्यक्षता में मुझे बड़ी उम्मीद है कि आप सदस्यों के सारे उन अधिकारों को दोबारा से दिल्ली के अंदर पुनर्स्थापित करके बाबा साहब के सपनों को साकार करने का काम करोगे न केवल बाबा साहब की नकली फोटो दिखाकर बाबा साहब की फोटो के पीछे अपने भ्रष्टाचार के आरोपों को छिपाने वाले लोगों को जो है आप एक्सपोज करोगे। अध्यक्ष जी, मैं ये कह रहा था आज अगर आतिशी जी और उनके सब मेंबर यहां पर होते तो मैं उनको ये बताता कि ये जब हम इस सदन में बैठे हुए हैं तो हमारे सदन के पीछे जो है विट्ठल भाई पटेल जी की फोटो

लगी हुई है। विट्ठल भाई पटेल जी इस देश के महानतम स्पीकर रहे हैं। यहां पर जब मिनी पार्लियामेंट लगती थी उससे पहले मैं अपने नये मेंबर से उनको बताना चाहता हूं उससे पहले ये रिवाज था कि जैसे आज गवर्नर साहब आए ऐसे वाइसरॉय जो है इस सदन को संबोधित करने के लिए आते थे। वो वाइसरॉय जब संबोधित करने के लिए आते थे तो उसका वो एक चोला पहनकर आते थे। उस चोले की एक तार को जो है स्पीकर पकड़ते थे और एक लीडर आफ द हाउस पकड़ते थे वो दोनों ऐसे पकड़ के एलजी को वाइसरॉय को सदन के अंदर लेकर आते थे। विट्ठल भाई पटेल और अध्यक्ष जी जैसे आज एलजी साहब आए उनके साथ आप कुर्सी लगाकर बैठ गये, पहले जब वाइसरॉय आते थे तो स्पीकर भी नार्मल सदस्य की तरह आकर नीचे बैठ जाता था उसको साथ कुर्सी लगाना अलाउ नहीं होता था। आपके सेक्रेटरी और एलजी के सेक्रेटरी बराबर में कुर्सी लगाकर बैठे हैं। उस समय वाइसरॉय का सेक्रेटरी टेकओवर कर लेता था जो स्पीकर का सेक्रेटरी है वो उठकर ऑफिसर गैलरी में बैठ जाता था ये वो सदन है। विट्ठल भाई पटेल पहली ऐसे स्पीकर थे जिन्होंने चोला पकड़ने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा था इस सदन का मालिक मैं हूं आप वाइसरॉय होंगे बाहर होंगे आपके बराबर में मेरी कुर्सी लगेगी। ये है वो सदन इसलिए इनको समझाना चाहता हूं कि इस सदन के साथ बाबा साहब की फोटो तो वहां देख ही सकते हो आप। शहीद भगत सिंह जी की फोटो आप देखो बहुत अच्छी बात है। विट्ठल भाई पटेल जी की भी फोटो देखो। इस संविधान की

लोकतांत्रिक मूल्यों का ध्यान करो और जो अरविंद केजरीवाल का चोला पकड़कर चल रहे हो न इस चोले को छोड़कर संविधान की जो है मर्यादा का ध्यान रखो ये मैं इनको कहना चाहता हूं, इसलिए मैंने विट्ठल भाई पटेल की कहानी सुनाई, इसलिए मैंने इनको इस बात की चर्चा में इनकी आंख में आंख डालकर करना चाहता था कि इन 10 सालों के अंदर आपने जिस तरीके से एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर को खत्म करने का काम किया इन्होंने। कल मुझे सौभाग्य मिला मुख्य मंत्री जी के साथ और प्रवेश जी के साथ जो है कुछ समय बिताने का कुछ अधिकारियों के साथ। मुझे मुख्य मंत्री जी ने कहा आप चुप हो, मैं दिल से दुखी था कल और मैं सलाम करना चाहता हूं आपको कि आप लोगों की जो अप्रोच दिल्ली के लोगों की पीड़ा के लिए है और मैं निश्चित रूप से इस बात के लिए मुझे खुशी है कि नरेन्द्र मोदी जी ने दिल्ली को सही हाथों में सौपा है और निश्चित रूप से दिल्ली के दिन जो हैं आने वाले समय में सुखद होने वाले हैं पर मैं कल दिल से दुखी था। मैं इसलिए दिल से दुखी था कि जिन डिपार्टमेंट्स, मैं उनका जिक्र नहीं करना चाहता वो दिल्ली के मोस्ट एफिसियेंट डिपार्टमेंट थे आज किस हालत में छोड़ दिया इन्होंने दिल्ली को। इन 11 सालों में जो पाप इन्होंने किया है दिल्ली के एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर को खत्म करने का, जो पाप इन्होंने किया है दिल्ली के लोगों को मूल सुविधाओं से वंचित करने का। मैं जिंदगी में अध्यक्ष जी बहुत चुनाव लड़ा हूं। हर चुनाव में लोगों की डिमांड बढ़ती थी, लोग

कहते थे हस्पताल खोल दो, मेट्रो खोल दो, ये खोल दो, वो खोल दो ये मेरे राजनीतिक जीवन में जो 10–12 चुनाव आदमी लड़ा हुआ है, चाहे लोकसभा के हों विधानसभा के हों मेरे राजनीतिक जीवन के अंदर ये पहला चुनाव था कि लोग कह रहे थे भाई हमारी गली के सीवर और सड़क बनवा दें वही बहुत मेहरबानी है हमें कुछ नहीं चाहिए। इस लेवल के ऊपर जो है देश की राजधानी को जिन लोगों ने लेकर आया है न इनको बाबा साहब माफ करने वाले हैं, न इनको भगत सिंह जी माफ करने वाले हैं, न इनको राष्ट्रपिता महात्मा गांधी माफ करने वाले हैं जिनकी फोटोग्राफ इन्होंने सरकारी दफ्तरों से हटाने का काम किया। अध्यक्ष जी, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद कि आपने लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से बरकरार करने के लिए कहा है। एलजी एड्रेस पर मेरे पास बहुत कुछ है कहने के लिए इनको याद कराने के लिए लेकिन निश्चित रूप से आपने सीएजी रिपोर्ट को टेबल करके दोबारा से जो है लोकतांत्रिक परंपराओं को बरकरार करने का जो है काम किया है उसके लिए मैं आपको बहुत–बहुत बधाई और बहुत–बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद लवली जी। अशोक गोयल।

श्री अशोक गोयलः माननीय अध्यक्ष जी, आज मैं आप सबको ये बधाई देना चाहता हूं कि आपने जो सीएजी की रिपोर्ट सदन के सामने रखी और एक ये वायदा पूरा किया और जो संविधान के अंदर जो आपदा की सरकार थी जो अभी आपने उल्लेख भी किया

हाईकोर्ट के माननीय जजेज का उनकी टिप्पणी का कि संविधान के दायित्वों का तिरस्कार किया गया उस संविधान की रक्षा करने के लिए आपने आज इस रिपोर्ट को रखा और ये जो लोग जो कट्टर बेईमान लोग हैं, जो बाबा साहब के चित्र के नीचे छुपकर अपनी बेईमानी को छुपाना चाहते हैं उसके लिए आपने ये रिपोर्ट सदन के सामने रखी मैं एक बार बधाई देना चाहता हूं। आज मैं अभी सीएजी की रिपोर्ट ये जो रखी है अभी इसको देख रहा था पेज नंबर-130 पर जिसमें लिखा की 2002.68 करोड़ का करीब-करीब दिल्ली सरकार को नुकसान हुआ है। मैं जब सदन में नहीं था लेकिन इस कट्टर बेईमान सरकार के बारे में सोचता था कि दिल्ली के अंदर एक तरफ कोरोना की महामारी थी, हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री इस बात की चिंता करते थे कि दिल्ली के लोगों को आक्सीजन मिल जाए लेकिन ये जो कट्टर बेईमान सरकार थी, जो कट्टर बेईमान लोग थे ये लोग उस कोरोना के अंदर शराब नीति बना रहे थे। एक तरफ हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ये चिंता कर रहे थे कि दिल्ली के लोगों को दिल्ली के हस्पतालों में बैड मिल सके लेकिन ये अपने शीश महल में बैठकर दिल्ली को लूटने के लिए शराब की नीति बना रहे थे। एक तरफ हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री ये चिंता कर रहे थे कि दिल्ली के लोगों को वैक्सीन मिल सके लेकिन ये जो कट्टर बेईमान सरकार थी ये लोग शराब नीति बनाकर दिल्ली के लोगों को लूटने का काम कर रहे थे। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री गरीब महिलाओं को 500-500 रुपये मिल सकें जनधन खाते में जा सके उसकी चिंता कर रहे थे, गरीब

लोगों को राशन मिल सके उसकी चिंता कर रहे थे लेकिन ये जो कट्टर बेईमान सरकार थी इन लोगों ने इस सीएजी की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि कुल मिलाकर दिल्ली के लोगों को लूटने का काम किया। इन्होंने दिल्ली की जनता के साथ विश्वासघात किया, दिल्ली की जनता का विश्वास का खून किया और यहां से रुपये लूटकर अपनी आपदा की सरकार, अपनी आम आदमी पार्टी के विस्तार के लिए इन लोगों ने पूरे देश के अंदर इस लूट के पैसों का इस्तेमाल किया। आज आपने ये जो रिपोर्ट रखी है, मैं आपसे ये निवेदन करूंगा कि आने वाले दिनों में जो पिछले 10 सालों के अंदर जितने भी घोटाले इन्होंने किये हैं, चाहे वो शीशमहल का घोटाला हो, मोहल्ला क्लिनिक का घोटाला हो, स्कूल का घोटाला हो, बस खरीद का घोटाला हो, हर घोटाले को इन्होंने जो अंजाम दिया है उसकी भी सीएजी रिपोर्ट इस सदन पर रखे। मैं एक बार पुनः आपको धन्यवाद करता हूं और इसके ऊपर विस्तार से चर्चा इस सदन के अंदर रखी जाए जिससे कि इनके घोटालों का, इनकी काली करतूतों को दिल्ली की जनता के सामने लाया जा सके क्योंकि ये शहीद भगत सिंह जी का इस्तेमाल करते हैं, बाबा साहब का इस्तेमाल करते हैं, जब ये जेल जा रहे होते हैं, इंक्वायरी में जा रहे होते हैं तो ये एक शहीदों की तरह अपने आपको पेश करते हैं। बड़े-बड़े होर्डिंग लगाते हैं कि ये कट्टर बेईमान बाहर आ गए, अब इनके बाहर आने का समय नहीं अध्यक्ष जी, इनके ऊपर जांच बैठाने का समय है। दिल्ली की जनता न्याय चाहती है और

ये जांच बैठाकर जहां से ये आये हैं इनको वापस, कानून अपना काम करेगा और इनको वहीं भेजने का काम करना है। मैं एक बार पुनः आपको धन्यवाद करता हूं और ये निवेदन करता हूं अध्यक्ष जी कि इसके ऊपर विस्तार से चर्चा रखी जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः राज कुमार भाटिया।

श्री राज कुमार भाटियाः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहूंगा कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का अवसर दिया है। सबसे पहले मैं आपको बधाई दूंगा कि आज महामहिम उप-राज्यपाल जी के अभिभाषण का जिस प्रकार से संतुलित और संयमित निर्वहन यहां पर हुआ है और जिन लोगों ने उसमें खलल डालने की कोशिश की उनकी प्रति जो आपका, स्पीकर का जो रवैया होना चाहिए था वो आपने अपनी लोकतांत्रिक मर्यादाओं को निभाया, मैं उसके लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं बधाई देना चाहूंगा दिल्ली की मुख्यमंत्री, नारी-शक्ति की प्रतीक, बहन रेखा गुप्ता जी को और उनकी केबिनेट को जिन्होंने इस पूर्ण कार्यवाही में अपनी गरिमामय उपस्थिति से और गरिमामय संतुलन से इस काम को पूर्ण किया है। मुझे याद आ रही थी, इस सदन में ही 1993 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी, श्री मदन लाल खुराना जी, चौधरी साहिब सिंह वर्मा जी और श्रीमती सुषमा स्वराज जी की, जिनके काल में सुशासन की इबारतें लिखी गई थी और आज वही क्रम बहन रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व

में यहां दोहराया जाने लगा है, सुशासन की नई इबारतों के लिए दिल्ली को बधाई है।

कैग रिपोर्ट के संबंध में न्यायपालिका के फैसले और निर्देशों का विधायिका द्वारा न माना जाना अपने आप में शर्मनाक है और संगीन अपराध भी है, इस बात की पुष्टि आपने भी की है। लेकिन इस अपराध का दंड कौन झेलेगा, कौन लोग कसूरवार थे? जो लोग कसूरवार थे वो सदन से आज बाहर चले गये क्योंकि वो कल से ही इस बात से डर रहे थे कि कैग की रिपोर्ट आयेगी और उनके पास कोई जवाब नहीं होगा तभी वो बाबा साहब जी का चित्र अपने पर्सो में, अपनी जेब में छुपाकर लाये थे, ये भी एक अपराध की श्रेणी में आता है, इसके लिए भी उनको दंडित किया जाना चाहिए। यह रिपोर्ट एल.जी. साहब के सामने रखी जानी चाहिए थी, सदन पटल पर रखी जानी चाहिए थी। लेकिन इस सो कॉल्ड कट्टर ईमानदार सरकार की नीयत में खोट था और इस पटल पर न रखे जाना उनकी नीयत को दर्शाता है।

कैग की रिपोर्ट में शराब नीति पर टिप्पणियों से स्पष्ट है कि दिल्ली की जनता के साथ धोखा हुआ है। उसी समय कोविड काल चल रहा था, जो जितना मजबूत था उतना मजबूर था। हम सब लोग अपने इलाज के लिए भाग रहे थे। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पूरे देश को ऑक्सीजन दे रही थी, कोविड के टीके की बात कर रही थी लेकिन ये शराब परोसने

का काम कर रहे थे और दिल्ली की आने वाली संततियों के साथ धोखा करने का काम रहे थे।

राजस्व प्राप्ति के नाम पर सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। राजस्व से जो फंड बुजुर्गों की दवाई पर खर्च होना था, जो सड़कों की सफाई पर खर्च होना था और बच्चों की पढ़ाई पर खर्च होना था, वो गुप्त रास्तों से तत्कालीन सरकार की मंत्रियों की जेब में चला गया तभी उन्हें बाद में जेल और बेल का भोजन चखना पड़ा। आज भी अगर वो अपनी बात रखने के लिए सक्षम होते तो हाउस में बैठकर इस पूरी कैग रिपोर्ट पर चर्चा करते।

मैं अभी पढ़ रहा था, एक सरसरी नजर चैप्टर 5 'Violation Of Quality Norms' मैंने पढ़ा कि इस सरकार ने कैसे दिल्ली के साथ धोखा किया। शराब परोसते समय भी उन्होंने मिलावट वाला काम किया। "Water quality tests were mandatory for all categories of liquor. Out of 173 Test Reports to be furnished, no report was submitted. In 96% of the cases, the partial reports were provided in the remaining cases." आप सोचिए कि शराब में जो पानी भी डलना था उसमें भी इन्होंने मिलावट को जनता के सामने नहीं आने दिया। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इस कैग रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा हो और उन्हें इनविटेशन देकर बुलाया जाए कि आइये अपनी काली करतूतों का चिट्ठा आपके सामने खुला है, इसका विस्तृत वर्णन और इसका विस्तृत स्पष्टीकरण आपको देना पड़ेगा। दिल्ली की

जनता पूछ रही है बच्चों की पढ़ाई पर जो खर्चा शराब के रास्ते से आपने रिश्वतखोरी में लिया है उसका आपको जवाब देना पड़ेगा। मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने बोलने का अवसर दिया। मेरी इस मांग को स्वीकार किया जाए और विस्तृत चर्चा की जाए।

माननीय अध्यक्षः श्रीमती पूनम शर्मा।

सुश्री पूनम शर्माः अध्यक्ष जी, धन्यवाद। आप सबको बधाई और हमारी दिल्ली की मुख्यमंत्री– रेखा गुप्ता जी ने भी बहुत सराहनीय काम करा है। जब से दिल्ली के अंदर भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है उन्होंने आते ही अपना रोल दिखाया कि हां जो घोटाले पिछले 10 वर्षों से हो रहे हैं उनको हम आज टेबल पर लेकर आयेंगे, उनके लिए भी आप सबको बधाई क्योंकि पिछले 10 सालों से जो दिल्ली के साथ घोटालें हुए हैं, दिल्ली की जनता के साथ धोखा हुआ है उनका अब जवाब उनको मिलने वाला है। जैसे वो बाबा साहब के चित्र के पीछे अपना मुंह छुपाने की कोशिश कर रहे हैं मगर अब इन सब चीजों से कोई काम नहीं चलेगा, उनका असली चेहरा सबके सामने आयेगा। दिल्ली की जनता को पता चलेगा कि उन्होंने कितने घोटाले करे हैं, जैसे शराब घोटाला हो गया, स्कूल के घोटाले हो गए और राशन घोटाला, मतलब हरेक चीज के अंदर उन्होंने घोटाले करे हैं। और इस चीज के लिए मैं आप सबसे निवेदन करना चाहती हूं कि ये दिल्ली की जनता के हित के लिए बहुत सराहनीय काम है और आप सबको पुनः फिर से बधाई दे रही हूं इस चीज के लिए कि आप सबने

ये जो सीएजी की जो रिपोर्ट, पिछले 10 साल से जो भ्रष्टाचार फैल रखा था उसको आपने दिल्ली के सामने लाने के लिए जो सराहनीय कदम उठाया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः कुलवंत राणा।

श्री कुलवंत राणाः माननीय अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय उप-राज्यपाल महोदय ने आज अपने अभिभाषण में दिल्ली की सरकार, रेखा सरकार, उनके मंत्रीमंडल की सरकार द्वारा जो एक रोड मैप आज रख दिया है इसमें मुख्य रूप से भ्रष्टाचार मुक्त कुशल प्रशासन, सशक्त नारी, दिल्ली की हमारी मुखिया वो भी नारी और नारियों का सशक्तिकरण के लिए दिल्ली की सरकार का नेतृत्व माननीय मोदी जी ने रेखा जी को दिया है उसके लिए माननीय मोदी जी का भी बहुत-बहुत आभार। उसके साथ सर गरीब कल्याण की बात है इसमें, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की बात है, उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था की बात है, विश्वस्तरीय सड़क परिवहन व्यवस्था की बात है, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त दिल्ली की बात है और यमुना नदी का पुनःद्धार इसमें है। स्वच्छ जल, अनधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण, किफायती आवास, पूरे हमारे सरकार का रोड मैप माननीय एल.जी. साहब के अभिभाषण में सब दर्शा दिया गया है और उसके लिए माननीय उप-राज्यपाल साहब का भी और आपका बहुत-बहुत आभार। इस पर चर्चा के लिए सदन की समय सीमा बढ़ाई जाए और ताकि इस पर भी और सीएजी पर भी विस्तार से चर्चा हो।

आज आपने सदन पटल पर सीएजी की रिपोर्ट प्रस्तुत कराई। इसमें कि आपने, इसमें मुख्य रूप से, ये सत्य है कि सरकार पूरे वर्ष में जितने भी हमारे विभाग दिल्ली सरकार के अधीन होते हैं उन सभी विभागों का सीएजी का उद्देश्य क्या है कि कोई भी विभाग में कोई भी अधिकारी या कोई भी नेता, गलत तरीके से काम न हो, जनता के पैसे का सदुपयोग हो उसके लिए नियम, उप-नियम बनाए हुए हैं सभी सरकार के विभागों के और कहीं कोताही न हो और सरकार का पैसा ठीक ढंग से उसका उपयोग जनहित में हो। मुख्य रूप से पिछले 10 सालों में क्या हुआ है अध्यक्ष जी, पूरी दिल्ली में इन लोगों ने, अव्यवस्थित रूप से इनकी कार्यप्रणाली में दोष था, नियमों का पालन न करते हुए भ्रष्टाचार प्रचुर मात्रा में था, दिल्ली की जनता को गंदा पानी पिला दिया, उसका उदाहरण मेरे यहां भी एक है। ये ठीक कहा लवली जी ने की इन लोगों ने बड़ी-बड़ी बातें करते थे, क्योंकि हर बार विषय बड़ा चाहिए दिल्ली की जनता को। लेकिन इस बार तो गंदा पानी पिला दिया पूरी दिल्ली को और दिल्ली की सारी सड़कें तोड़ दी। ऐसा हुआ कैसे कि इनकी सोच ठीक नहीं थी, नीयत ठीक नहीं थी और कार्य कराने के पैमाने ठीक नहीं थे और सीवर डाले गए, सीवर में घोटाला हो गया, बड़ी-बड़ी कम्पनियाँ टेकओवर कर लिया, सफाई पूरी नहीं करवाई उससे, ढ़ंग से काम नहीं हुआ, मैंने एक उदाहरण दिया अपनी बात का। दिल्ली पहली बार देख रही है कि दिल्ली शहर जो पूरे देश की राजधानी है, उदाहरण है, यहां की

सड़कें कभी जिंदगी में ऐसी नहीं हुई सड़कें, हमारे जीवन में कभी मैंने सड़कें ऐसी दिल्ली की देखी नहीं और 1993 से 1998 के बीच में, मदनलाल खुराना साहब ने और साहिब सिंह साहब ने दिल्ली का नेतृत्व किया और क्या सुविधाएं थी और कितना काम किया उन 5 सालों में। आगे मुख्यमंत्री शीला जी ने भी काम को आगे बढ़ाया। लेकिन इस 10 साल के अंदर दिल्ली की हवा खराब, सड़क खराब, पानी खराब, यातायात व्यवस्था खराब और भ्रष्टाचार के जो नाम पर आए हैं, इतना भ्रष्टाचार किया, जबरदस्त, कमाल हो गया, सारी हदें पार कर दी। तो जो सीएजी की रिपोर्ट प्रस्तुत की है इसमें जो अनियमितताओं का उल्लेख इसमें है कि शराब का, इतने सारे विषय इसमें हैं जिनमें अनियमितताएं की गई है इसका विस्तार से अध्ययन करके इसके ऊपर चर्चा होगी तो इसमें विसंगतियां ही विसंगतियां हैं और इनका उद्देश्य एक ही रहा कि कैसे पैसा बटोरा जाए और पैसा बटोर करके कैसे दिल्ली और देश के अंदर, देश में विस्तार हो मेरी पार्टी का और मैं प्रधानमंत्री बनूं, इस दिशा में इसने काम किया, दिल्ली के लोगों की दशा सुधरे, दिल्ली के लोगों की समस्याओं का हल हो, दिल्ली बेहतर शहर हो, इसके बारे में विचार नहीं किया। उसका एक ही टारगेट था कि वो देश का प्रधानमंत्री कैसे बने और उसकी ओर काम किया और नियमों-उपनियमों सबका उल्लंघन करते हुए उसने काम किया उसकी सजा माननीय हमारे शहीदे आजम भगत सिंह जी और अम्बेडकर साहब ने उनको दे दी है और उनका चित्र जरूर लगा

है महापुरूषों का, उनका अनुसरण नहीं किया। वो कितने महान लोग थे, मान लो शहीद भगत सिंह साहब का जीवन कितना त्याग-तपस्या का और जिन्होंने अपनी जान की परवाह ना करके देश की आजादी की लड़ाई लड़ी और उनका चित्र लगाकर के माननीय जो हमारे बाबा अम्बेडकर साहब जो संविधान बनाया, क्यों बनाया वो संविधान, इस देश की संविधान की व्यवस्था में एक खूबी ये है कि एक व्यक्ति विशेष को पूर्ण अधिकार नहीं है, ऊपर से ऊपर एक-एक व्यक्ति की व्यवस्था है। तो इन्होंने उनका भी उल्लंघन किया और ये जो रिपोर्ट जिसके बारे में चर्चा हो रही है, ऐसी कोई सरकार नहीं बनी।

माननीय अध्यक्षः कन्कलूड करिये।

श्री कुलवंत राणाः जिसने सीएजी की रिपोर्ट प्रस्तुत ना की हो, ये पहली सरकार है जिसने सीएजी की रिपोर्ट नहीं पेश की, तो इससे बड़ा अपराध क्या हो सकता है। तो मुझे आप कह रहे हो बैठने के लिए मैं बैठूंगा, आप हमारे अध्यक्ष हैं, आप हमारे अधिकारों की रक्षा भी करते हो, आपका हुकुम मुझे स्वीकार करना पड़ेगा। तो मैं ये कहूं, आपसे आग्रह करूंगा सदन के दिन और बढ़ाए जाएं ताकि इसपर अच्छे से चर्चा हो सके आपने मुझे चर्चा में हिस्सा लेने का अवसर दिया उसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। अनिल शर्मा।

श्री अनिल शर्मा: आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं धन्यवाद करता हूं कि आज मुझे आपने बोलने का अवसर दिया और जो आज आदरणीय उप-राज्यपाल महोदय ने जो हमारा रोड मैप रखा है, आदरणीय सीएम मैडम जो हमारी रेखा जी जिन्होंने उनकी पूरी कैबिनेट ने जो विजन दिया है दिल्ली को आज उप-राज्यपाल महोदय के अपने भाषण के हिसाब से हम लगता है आने वाले समय में जितने वादे हमने किए हैं, हमारी सरकार उन सब वादों को जरूर पूरा करेगी ऐसा विश्वास दिल्ली की जनता को कैबिनेट ने दिया है। हम भी सदस्य होने के नाते दिल्ली की जनता को विश्वास दिलाना चाहते हैं। साथ ही जो सीएजी की रिपोर्ट जो आज पटल पर रखी गई है, जिसके बारे में सबसे शुरू में आदरणीय लवली जी ने जिस बात का जिक्र किया कि हमेशा जब भी कोई सरकार होती है, उसके लिए ये सीएजी की रिपोर्टस साल में दो साल में यहां पेश होनी चाहिए। सुन के बड़ा वो हो रहा है कि 10 साल से सरकार थी और सीएजी की रिपोर्ट को पेश नहीं किया गया। आप लीडर ऑफ अपोजिशन के नाते लगातार इसकी लड़ाई लड़ते रहे, आप कोर्ट तक भी गए, आपने विधानसभा में आवाज उठाई, आपने जहां-जहां आवाज उठा सकते थे आवाज उठाई, परन्तु उस टाइम के यहां की मुख्यमंत्री या यहां के उस टाइम के स्पीकर उन्होंने इस मुद्दे को यहां पर इस सीएजी की रिपोर्ट को विधान सभा में पेश नहीं होने दिया, क्योंकि वो जानते थे कि जब ये शराब घोटाला, ये दिल्ली की उस टाइम के मुख्यमंत्री कर रहे

थे केजरीवाल जी जिनको आज उनके घोटालों की वजह से जो बड़ी-बड़ी बातें करते थे, आदरणीय देश के माननीय प्रधानमंत्री जी के लिए बोलते थे कि 7 जन्म ले लें उनको हरा नही सकते, आज दिल्ली की जनता ने उनको हरा के घर बैठा दिया है, क्योंकि उन्होंने ये घोटाले किए थे और ये घोटाले की वजह से और जो अपने आपको शिक्षा मंत्री बोलता था, वो शिक्षा मंत्री नहीं था, वो शराब मंत्री था, उसको भी आज दिल्ली की जनता ने घर बैठा दिया है, क्योंकि ये दिल्ली की जनता का पैसा था जो दिल्ली की जनता के साथ इन्होंने धोखा किया था। मैं बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं आपका और रेखा जी का की जिन्होंने आज ये पटल पर रखा है और इसके लिए विस्तृत बातचीत यहां होनी चाहिए। दिल्ली की जनता के सामने ये सारा विषय जाना चाहिए कि दिल्ली की जनता का पैसा कैसे लूटा गया। जब करोना काल चल रहा था तो करोनाकाल के अंदर ही ये शराब नीति बनाई गई थी, करोनाकाल में लोग जब दिल्ली के बाहर जा रहे थे तो माननीय प्रधानमंत्री जी उनका ध्यान रख रहे थे और दिल्ली की जनता को उनसे उम्मीद थी कि केजरीवाल भी शायद कुछ करेगा, पर दिल्ली की जनता को केजरीवाल उस वर्तमान, उस टाइम के मुख्यमंत्री ने धोखा दिया और हाथ खड़े कर दिए। अस्पतालों में बैड की व्यवस्था नहीं थी, अगर वो सारी व्यवस्था किसी ने सम्भाली तो हमारे माननीय मोदी जी ने और माननीय अमित शाह जी ने खुद आकर उस टाइम में वो सारी व्यवस्था सम्भाली थी। तो मैं आपके माध्यम से ये जो

आज यहां पर पेश हुई है मुझे लगता है इसको विस्तृत के लिए तीन-चार दिन जरूर सदन बढ़ाया जाए और जब इसकी जानकारी दिल्ली की जनता को मिलेगी की कितना बड़ा घोटाला हुआ, तो लोग घोटाले की एक बात कह के अपनी बात समाप्त करूंगा। जब उनको ये लगा कि वो पकड़े जा रहे हैं और जब ये मामला हमारी पार्टी ने जगह-जगह पर उठाया तो उन्होंने खुद भी इसको वापस किया, क्योंकि उनको समझ में आ गई थी, गलती तो बहुत बड़ी कर दी है पर हमारी पार्टी ने हमारे प्रदेश के अध्यक्ष जी ने और पूरी पार्टी ने जब ये मुद्दा उठाया था तो उसी दिन दिल्ली की जनता समझ गई थी कि ये बड़ा घोटाला है और उसी वजह से वो 62 से 22 हो गए हैं, आने वाले समय में वो 22 से दो रह जाएंगे ऐसा विश्वास मैं आपको बताना चाहता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः तरविन्दर सिंह मारवाह जी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः टाइम थोड़ा ज्यादा देना जी।

माननीय अध्यक्षः हूं।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः वो इसलिए टाइम ज्यादा देना क्योंकि बोलने में तभी मजा आएगा जी।

माननीय अध्यक्षः जी, जी, जी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः वो थोड़े से टाइम में तो कोई फायदा ही नहीं है। और वो सामने भागे हुए हैं, उनको भी बुला

लेते तो आज बताते उनको, कल तो बताया आज। सबसे पहले तो मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने जो हमारी एक कार्यकर्ता जो पहली बार एमएलए बनी उसको महिलाओं का सम्मान करते हुए पूरे हिंदुस्तान की नहीं, पूरे वर्ल्ड में जहां हिंदुस्तान रहती हैं महिलाएं उनका सम्मान करते हुए रेखा गुप्ता जी को चीफ मिनिस्टर बनाया है उसके लिए मैं नरेंद्र मोदी जी की जो सोच है, हमारे कार्यकर्ताओं के लिए, उनका मैं धन्यवाद करता हूं और 6 के 6 मंत्री जो तजरबे वाले हैं, जो हमेशा नाम लूंगा, नाम उनका पूरी दिल्ली जानती है, सभी का। हर फील्ड में उन्होंने काम किया है, मैं प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। विशेषकर पता है क्या होता है अध्यक्ष जी, कि सबसे सम्मानित वो हमारे अध्यक्ष जी विजेंद्र गुप्ता जी जो मेरे कॉलेज के टाइम के साथी है, यहां पर विराजमान है, इनको भी जो तजुर्बा है, कारपोरेशन में रहा, जहां झाडू मारते हैं हम लोग, एमएलए में रहा, तो आपको भी जो ये दिया है, नरेंद्र मोदी जी ने और हमारे सभी एमएलए ने भी वोटिंग करके आपको बनाया है इसके लिए भी मैं आपका एमएलओं का धन्यवाद करता हूं कि आपको यहां पर बैठाया है। अब बात आ गई इनकी निखट्टों की, जो कि इनके अगर मैं कारनामें शुरू करूं ना अध्यक्ष जी, क्योंकि हम तो दरी बिछाने वाले कार्यकर्ता हैं। हमें तो सुबह ही पता लग जाता है, क्या-क्या समस्या है, कहां पर चोरबाजारी हो रही है, मतलब कि अगर मैं शुरू करूंगा तो पूरी रात ही यहां पर इनके कारनामें ही बताता रहूं, तीन दिन लगा रहूं

तोतब भी खत्म नहीं होगी क्योंकि इन्होंने कारनामें और भगवान ने इनको सजा भी दी है, ये नहीं कि इनको सजा नहीं मिली है। जो अन्ना से निकला, अन्ना का जन लोकपाल बिल था वो कहां गया। ये जो अपनी ही सीएजी की रिपोर्ट है, उसको ही नहीं पेश कर सके तो जनलोक बिल की क्या करेगा। आज ये जो बैठे हैं बाहर अंबेडकर जी के पास, मेरे से टीवी वाले पूछ रहे थे दलित विरोधी है भारतीय जनता पार्टी, पहली बात तो अंबेडकर जी का जो सम्मान भारतीय जनता पार्टी और नरेन्द्र मोदी जी ने किया है देश की आजादी के बाद उतना सम्मान तो आज तक किसी ने नहीं किया। जनपथ पे कितना बड़ा ऑडोटोरियम अंबेडकर जी के नाम का बना है जहां पर उन्होंने संविधान लिखा है वहां पर इतनी बड़ी इमारत मोदी जी ने बना रहे हैं। उसके बाद सिख विरोधी की बात करते हैं, कल भारतीय जनता पार्टी को कह रहे थे। अरे आपने क्या किया, आपने तो बच्चे की कसम खाकर कांग्रेस से समझौता किया। जो कहता था मैं शीला दीक्षित को जेल भेजूंगा, आपने तो बच्चे की कसम खाकर उससे भी कंप्रोमाइज कर लिया। आज दिल्ली में अध्यक्ष जी हालात इतने खराब हैं कि जो हम टैंकर बुक करते थे मैं मुख्यमंत्री जी का भी ध्यान दिलाना चाहता हूं इस पर, पहले जो टैंकर बुक होता था वो पूरा दिन खड़ा रहता था वहां पर। पैसे जमा करा देते थे वहां पर टैंकर पूरा दिन खड़ा रहता था। आज जिन बिटियाओं की शादी होती है पैसे जमा करते रहे हैं ये तीन साल से चल रहा है मुख्यमंत्री जी, उसको क्या पता कि हलवाई

को कितना पानी चाहिए। टैंकर आता था और दो जो ड्रम पहले उसको मंगवाने पड़ते थे ड्रमों में पानी डाल के चला जाता था और उसके बाद जिसके घर में शादी होती थी वो पानी ढोता रहता था बेचारा, ध्यान उसका पानी की तरफ हलवाई को पानी मिले। ये हालात आज दिल्ली जलबोर्ड में कर दिए इन्होंने। शराब की तो बात ही छोड़ो, शराब में तो इन्होंने ये जो घोटाला 2025 करोड़ का है इसके अलावा जो कि इन्होंने कम से कम नहीं तो एक हजार करोड़ कम बता रहे हैं। मेरे हिसाब से केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने पांच हजार करोड़ का काम किया है इस घोटाले में और वो पैसा कहां गया? वो भी मैं आपको बता देना चाहता हूं, वो पैसा एक बिटकॉइन चल रहा है ना बिटकॉइन जो चल रहा है जितने मर्जी पैसे उसमें जमा करा दो उसको पता नहीं लगेगा कितने पैसे हैं। हां बिटकॉइन में क्योंकि इसने अपने लैपटाप, अपने टेलिफोन सब इसने क्यूं बर्बाद कर दिए क्योंकि वो कोड नंबर उसी में है या तो उसको पता है या उसकी घरवाली को पता है। यह बिल्कुल सच बात बता रहा हूं नहीं तो इतना पैसा रखने की जगह नहीं है किसी के पास उसमें एक कोड नंबर होता है बस दे दिया जाता है जितने मर्जी पैसे डाले जाओ वो काम इसने किया है क्योंकि इनकम टैक्स से निकला हुआ था। प्रधानमंत्री जी ने भी कहा है ये इनकम टैक्स का खिलाड़ी था बहुत बड़ा। ये इनकम टैक्स का तो खिलाड़ी ही नहीं था उससे और भी खिलाड़ी था, ये लोगों की कंपलेंटें कर के पैसे उगवाता था। पुरानी इसकी हिस्ट्री

इसकी निकालो, निकालो पुरानी हिस्ट्री इसकी, ये वो व्यक्ति था बड़े बड़े कारोबारियों की फाइल से उनके नुस्खे निकाल के कंपलेंट करता था और पैसे मांगता था ये वो व्यक्ति था। अन्ना हजारे के साथ जुड़ के अन्ना हजारे को धोखा दिया किसको नहीं धोखा दिया वो स्वाति मालीवाल जो थी महिला, हां मालीवाल, कितनी स्नेही महिला, कितनी इज्जत वाली महिला, कितनी सम्मान वाली महिला उसका क्या किया, अपने बंगले में बुला के, अपने गुर्गों से उसको पिटवाया। इससे जलील व्यक्ति हिंदुस्तान में है ही नहीं। इसको तो अध्यक्ष जी आप लिहाज मत करना, आपको भी मैं कहना चाहता हूं कि आप लिहाज मत करना कहीं, कहीं सिफारिश कर दे मेरे को पता है वो किस बिरादरी का है। कहीं ये ना हो तो इसलिए मैं पहले कह रहा हूँ। हम चुप बैठने वाले नहीं हैं हम उन एमएलओ से नहीं हैं जो चमचागिरी करके मंत्री यंत्री बने। हमारे बस की नहीं है ये काम हम तो खड़कू आदमी हैं, साफ बात कहते हैं किसी की सिफारिश मत मानना क्योंकि ये सिफारिश मानने वाला भी पापी होगा क्योंकि जो उन्होंने पाप किए हैं उसको सजा मिलनी चाहिए अगर आप सही तरह मुख्य मंत्री जी इसकी रिपोर्ट करें तो मैं दावे से कहता हूं कि ये सारी जिंदगी जेल में सड़ता रहेगा कोई जज जमानत नहीं लेगा ये मैं कहना चाहता हूं क्योंकि इसने खाली कागजों पर साइन किए हुए हैं दिल्ली जल बोर्ड के टैंडरों में इसकी घरवाली के साइन् हैं ये मैं बताना चाहता हूं इसकी घरवाली के साइन हैं जो आलीशान बंगला बना है इसकी घरवाली ने

आर्डर दिया है ये सामान मेरे को चाहिए। ये मैं इसलिए बताना चाहता हूं आपको तभी मैं कहना चाहता हूं कि इस पापी को जेल में जाने देना ये किसी का भी नहीं है। ये अपनी घरवाली का भी नहीं है ये मैं आपको बताना चाहता हूं, इसको सिर्फ पैसा चाहिए। एक पिक्चर आई थी ना कौन सा था गाना पैसे पे क्यूं मरती है पैसा पैसा कर दूंगा

(समय की घंटी)

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः ये पैसे वाला व्यक्ति है इसको पैसा चाहिए। पैसा चाहिए जिस काम में ऐसा कोई काम भी बता दो दिल्ली सरकार का दस साल जहां पर घोटाला ना हुआ हो, कोई एक महकमा बता दो चाहे दिल्ली जल बोर्ड है, चाहे एजुकेशन है चाहे कोई और है मौहल्ला क्लीनिक क्या खोली है वहां कुत्ते नजर आते थे और वो मौहल्ला क्लीनिकों पे इसने अपने आदमियों को किराये पे दिया है वो भी आपने जितना निकालना है जो टैंडर हैं उसका भी चिटठा निकालना है और मैं आपको बता रहा हूं देखो कितन नीच व्यक्ति हैं मेरे शब्द गलत निकल रहा है, इन्होंने जहां जहां दतर खोले थे दिल्ली जलबोर्ड वाले दिल्ली सरकार के ये जो कम्यूनिटी सैंटर है जो डीडीए स्लम के हैं अब डूसिब कहते हैं कुछ ऐसा ही, हां डूसिब वहां पर जो दफ्तर खोले वहां पर सरकारी खर्चा हुआ बीस बीस कुर्सियां आई, एयर कंडीशन लगाया, ट्यूबें लगवाई, बड़े बड़े ऐसे जो बिजली के वो लगाए

लेकिन जिस दिन हारे बड़े शर्म की बात है मैं वीडियो ले के नहीं आया गलती हो गई मेरे से मैं आपको बताता कि इन्होंने

(समय की घंटी)

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः वो सारा सामान अपने अपने घर ले गए। ये मनीष सिसोदिया चोर कहता है मैं इससे पूछना चाहता था कि एक नहीं है मतलब कम से कम नहीं तो 15 पंद्रह दस दस दफ्तर खुले हैं और बता रहा हूं जो कम्नयूटी सैंटर डूसिब के थे डूसिब के उनमें पार्किंग के भी इन्होंने अपने वर्करों को टैंडर दे रखे थे ये आपको मैं बताना चाहता हूं। वहां पर रात को गाडियां पार्किंग होती थीं पैसे इनके वर्कर लेते थे इससे नीच काम कोई नहीं कर सकता। ये मैं आपको बताना चाहता हूं अध्यक्ष जी। मैं दोबारा आपको क्योंकि मेरे को पता है समय की कमी है नही तो एक दो घंटे और बोलता लेकिन मैं सिर्फ आपको दोबारा ये कहूंगा कि आप लिहाज नहीं करना है आपको अध्यक्ष बनाया है। मैं मुख्यमंत्री जी को भी कहूंगा कि आप ने जितनी कार्यवाही क्योंकि नरेन्द्र मोदी के बारे में जो कहा उसने कि इस जन्म में नहीं अगले जन्म में भी अरे तू नरेन्द्र मोदी जी के जूतों के समान नहीं मतलब कि तू है क्या कंपलेंटर, तू है क्या? मोदी जी ने जो करके दिखाया है हमको पूछो सिखों के लिए जो मोदी जी ने किया है, कोरीडोर जो हम अरदास करते थे करतारपुर कोरीडोर आज लाखो श्रश्दालू जाते हैं आज वहां पर दर्शन करके शाम को वापिस आते हैं। आज छोटे साहिबजादों के लिए जो कि जिन्होंने पूरे वर्ल्ड में

छोटे साहिबजादों की कुर्बानी कोई नहीं दे सकता। दादा कुर्बान किया, बाप कुर्बान किया, चारों भाई कुर्बान किए। मोदी जी ने उनके बारे में सोचा है, आज पूरे हिंदुस्तान में 26 दिसंबर मनाया जाता है ये मोदी जी की देन है। ये मोदी जी की सिक्खों को देन है वो ये क्या करता है केजरीवाल ने पंजाब में किसको बिठा रखा है मुख्यमंत्री, उस व्यक्ति को जो जहाज जहाज में शराब के नशे में उतार के उसको नीचे ले आए थे। अभी पीछे छह महीने की बात है ये सच बात है ये मत सोचना झूठ बात है छह महीने पहले एयर इंडिया से उसको शराब के नशे में से उतार के उसको बाहर फेंक गए। ये मुख्यमंत्री वहां पर ऐसा बैठाया हुआ है चोर का भाई चोर, चोर का भाई चोर। आज मैं आने वाले समय में बता रहा हूं कि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ रही है ये मैं बताना चाहता हूं और इसका नामो निशान मिट जाएगा। थोड़े दिन और रूक जाना अगर इसके बीस एमएलए इधर की तरफ नजर ना आए तो मुझे पकड़ लेना, ये मैं कहना चाहता हूं, ये मैं कहना चाहता हूं अध्यक्ष जी। ज्यादा समय आपने दिया थोड़ा उसके लिए तो मैं आपका धन्यवाद करता हूं। भारत माता की जय।

माननीय अध्यक्षः सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन दोपहर 2.01 बजे पुनः समवेत हुआ

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा को जारी रखते हुए मनजिंदर सिंह सिरसा जी।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): धन्यवाद अध्यक्ष जी। पहले तो मैं आज हमारे माननीय लैफ्टीनेंट गवर्नर साहब ने जो हमारी रेखा गुप्ता जी की सरकार की आने वाले 5 सालो में रोडमैप दिया और किस तरह से ये सरकार दिल्ली की आम जनता के लिए, दिल्ली की उन माताओं, बहनों के लिए जिनको सरकार के सहारे की बहुत जरूरत है और दिल्ली के काम करने वाले, गरीब वर्ग के लिए कैसे हमारी सरकार सहायक हो सकती है इसकी जानकारी दी। मैं जहां लैफ्टीनेंट गवर्नर साहब का धन्यवाद करता हूं, उपराज्यपाल साहब का, वहीं हमारे देश के प्रधानमंत्री की नीतियों का भी, यहां पर जानकारी दी गई किस तरह से उनकी जन कल्याण नीतियों से इस देश के अंदर और दिल्ली में बदलाव आया और खासतौर पर उन नीतियों को दिल्ली में इसलिए रोका गया ताकि उनकी नीतियों से दिल्ली के लोगों में बदलाव ना आ पाए, उनके जीवन और खुशहाल ना हो पाये और वो मोदी से ना जुड़ पाएं। ऐसी निकम्मी सरकार जिसको निकालने का काम दिल्ली के लोगों ने किया है, मैं बधाई देता हूं एलजी साहब को उनके बखान के लिए भी और इन लोगों को, बेईमान लोगों को बाहर निकालने के लिए भी। आज कैग रिपोर्ट, देखिये ये ड्रामेबाजी वाली सरकार, वो कहते हैं ना जो ड्रामेबाजी करने के आदी हो जाती हैं,

वो इतने ड्रामेबाजी करने लग पड़ते हैं कि वो भूल जाते हैं कि वो कहां बैठे हैं। ये पक्ष में थे तो भी ड्रामे करते थे, आज विपक्ष में है तो भी ड्रामे करते हैं। अध्यक्ष जी आज इनको पता था आज इनके जो ईमानदारी का चोला ये पहने खड़े थे पिछले 10 सालों से, जिस चोले के ऊपर इतने दाग थे, वो सफेद चोला काले रंग का हो गया था लेकिन अभी तक भी ये भांप नहीं पाए कि दिल्ली के लोगों ने तुम्हें करप्शन के कारण बाहर निकाला है और उसको रोकने का जो काम कैग रिपोर्ट को दिया था, मैं पहले आपको भी बधाई देता हूं कि आपने वो लड़ाई लड़ी और उसकी हाईकोर्ट तक लेकर गए इस कैग रिपोर्ट को लागू कराने के लिए, इस कैग रिपोर्ट को जन जन तक करने के लिए। क्यों दबाना चाहते थे, मैं दिल्ली के लोगों को अध्यक्ष जी के माध्यम से बताना चाहता हूं कि ये क्यों छुपाना चाहते थे। आप सुनकर हैरान होंगे और मैं पढ़कर चकित रह गया, किस तरह से शराब घोटाला करने के लिए इन लोगों ने नए-नए रास्ते निकाले। जैसे आज बाबा साहब अम्बेडकर जी का, शहीदे आजम शहीद भगत सिंह जी का नाम इस्तेमाल कर रहे हैं फोटो को और वही फोटो अध्यक्ष जी आप ध्यान दीजिएगा, वही फोटो आतिशी जी अपने पैरों में रखकर अभी बाहर खड़ी थी। जब उनकी फोटो सामने आई तो अध्यक्ष जी बाबा साहब अम्बेडकर जी फोटो को पैरो में रखकर आतिशी बाहर बैठी हैं, ये ढोंकले इनके केवल और केवल शराब घोटाले से बचने के लिए थे, इनका मकसद शराब घोटाले की ये जो आज कैग की

रिपोर्ट आने वाली थी उससे बचना और उससे मीडिया अटैंशन हटाना चाहते थे। देखिये, आज तक तो हम कहते थे लेकिन अब तो कैग ने भी कहा है कि इन्होंने शराब पोलिसी के अंदर अपने दोस्तों को काम देने के लिए पहले इस शराब पोलिसी से आने से पहले 2020–21 में यहां पर 101 लोग शराब का कारोबार करते थे, 101 लोगों की जगह कम करके केवल 14 लोगों को शराब का काम दिया गया। ये मोनोपोली क्रिएट की गई और आप सुनकर अध्यक्ष जी हैरान होंगे, उन 14 में से भी 3 लोगों के पास दिल्ली का 71 परसैंट शराब का काम था, 71 परसैंट शराब का काम। और अध्यक्ष जी आपकी जानकारी के लिए इन 3 लोगों में से 2 लोग अरविंद केजरीवाल जी के साथ जेल में थे। इन 3 लोगों से 2 लोग अरविंद केजरीवाल जी के साथ जेल में थे और तीसरे जो हैं मैं उनका नाम यहां लेना नहीं चाहता, लेकिन लवली जी को भी पता है तीसरे कौन थे उसका नाम कभी आपको अकेले में बताएंगे, हमें भी शर्म आती है उनका नाम यहां लेते हुए जो शराब के कारोबार में जो लोग थे, जिनको लोगों ने किसी और काम के लिए चुनकर भेजा था अब उनका नाम जब मैं यहां पढ़ रहा हूं तो मुझे पढ़ते हुए शर्म आ रही है, मैं बोल नहीं पा रहा कि धर्म के नाम करने वाले लोग शराब का कारोबार कर रहे थे उनका नाम पढ़ते मुझे शर्म आ रही है। मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं, कैग ने अपनी रिपोर्ट में क्या लिखा "Further, there was increase of wholesale distribution margin from earlier five percent to twelve

percent under new policy." अध्यक्ष जी 5 परसैंट से 12 परसैंट प्रोफिट। देश में मात्र अरविंद केजरीवाल को शराब वाले मिले जिनको कहता है तुम्हें 12 परसैंट मिनिमम मिलना ही चाहिए और इसका जस्टिफिकेशन क्या दी, बोला इन्होंने शराब की टैस्टिंग करानी होती है ना तो ये लैबोरटरी में खर्च हो जाता है इसलिए इनको 5 परसैंट से 12 परसैंट कर दिया जाए। जस्टिफिकेशन देखो, लैबोरटरी में टैस्ट कराने के नाम पर 5 से 12 परसैंट किया गया और यहीं नहीं रूके, देखिये इसमें स्पष्ट कहा गया था, होलसेलर रिटेलर नहीं हो सकता, रिटेलर मैन्यूफैक्चर नहीं हो सकता, सो 3 लोग हैं मैन्फ्रैचर्र, रिटेलर, होलसेलर तीनों में से तीनों अलग-अलग काम करेंगे। अगर आप रिटेलर हो तो आप होलसेलर नहीं बन सकते, अगर आप होलसेलर हो तो आप मैन्यूफैक्चर्र नहीं हो सकते। लेकिन उन्होंने इसका भी रास्ते निकाले, इन्होंने 2 ऐसे होलसेलर थे, जिनके जुवाइंट वैंचर करवाकर तीनों काम दिये और फिर इन्होंने अपने दोस्तों को काम देना था। आप सुनिये आपको जानकारी सुनकर चकित हो जाएंगे, काम अरविंद केजरीवाल जी के दोस्तों को मिले अब इसके लिए भी रास्ता निकाला गया, क्योंकि शराब का काम तो करते नहीं थे, अब उनको काम कैसे मिल सकता है, तो जो एग्जैस्टींग शराब का काम करने वाले थे उनकी कम्पनी का एक परसैंट स्टेक इस कम्पनी में डलवाया गया, नई कम्पनी में। तो क्या दिखाया गया कि जी ये देखिये शराब करने वाले इसमें पार्टनर है और वो कितना स्टेक होल्डर थे मात्र 1 परसैंट, नोमिनल ताकि शराब का काम

करने का अधिकार मिल जाए अरविंद केजरीवाल जी के दोस्तों में। और एक केस में तो हैरान करने वाली बात समझ में आई, ये कहकर शराब वाले को पार्टनर बनाया गया नई कम्पनी में कि शराब की कम्पनी वाले इसको 25 हजार रुपया महीना देंगे ये कहकर पार्टनर बनाया गया, अपने दोस्तों को काम दिखाने के लिए, ऐसे-ऐसे रास्ते निकाले गए। अध्यक्ष जी ये शराब घोटाले करने वाली सरकार बाबा साहब अम्बेडकर जी का नाम भी फोटो के पीछे छुपती है और आज इस फोटो को पैरों में लेके बैठी है, ये काम धंधा शराब का करते हैं, पैसा शराब से कमाते हैं और नाम बाबा साहब अम्बेडकर जी का लेकर करते हैं ताकि दिल्ली के लोगों को बेवकूफ बनाया जा सके। मैं बताना चाहता हूं। अब इसमें अध्यक्ष जी जब ये केस शराब का काम देना था तो शराब कारोबारियों के सामने कंप्लेंट आने लगी। तो वो कंप्लेंट कमिश्नर ने इवैल्यूएट करनी थी कि कंप्लेंट सच्ची हैं या झूठी हैं, ये काम कर सकते हैं या नहीं कर सकते। अब क्यूंकि वो सारी कंप्लेंटें ही अरविंद केजरीवाल जी के दोस्तों के खिलाफ थी तो उन कंप्लेंटों पे कार्यवाही नहीं करनी थी। एक्ट ये कहता था कि पहले कंप्लेंट का निदान होगा उसके बाद काम दिया जायेगा। लेकिन इन्होंने इसका क्या रास्ता निकाला बोले जी, टाईम बड़ा कम बचा है।ये बेईमान केजरीवाल क्या बोलता है बोला टाईम बड़ा कम बचा है शराब का काम देना बहुत जरूरी है, इंपोर्टेंट है इसलिये इस कंप्लेंट की अभी हम चर्चा नहीं करते, जब कभी देखनी होगी, फिर देख लेंगे कंप्लेंट जब भी

टाईम मिलेगा, काम शराब का इन लोगों को दे दो। तो क्या हुआ जिन लोगों के खिलाफ 14 लोगों के खिलाफ कंप्लेंट थी उनमें से 12 लोगों को शराब का काम क्योंकि वो अरविन्द केजरीवाल जी के दोस्त थे, उनको काम देने का काम किया गया। यहीं नहीं रूके आगे आईये। मैं नहीं कह रहा, अब तो ये आपकी ये जो बातें हैं, कैग रिपोर्ट कहती है। जब हम ये बातें कहते थे तो ये कहते थे कोर्ट इन कागजों को कूड़े के डब्बे में फेंक देगी। अब अरविंद केजरीवाल जी, ये कैग पूछती है आपसे Comptroller & Auditor General of India पूछती है आपसे ये अकांउट्स अथॉरिटी पूछती है आपसे आपने इतने घोटाले किये कि तीन साल तक कैग की रिपोर्ट टेबल नहीं होने दी, अब देखिये। "There was evidence of relation between Indo Spirit who is the wholesaler, Zonal Licencee, खाओ गली रेस्टोरेंट, इंडो स्पिरिट has 35% stake in indo Spirit and Khao Gali and further, Director of Khao Gali was Director Associate with Indo Spirit Company." मतलब खाओ गली कंपनी जो थी उसके पास रिटेल का काम है और 'इंडो स्पिरिट' के पास होलसेल का काम है और 35 परसेंट वो स्टेकहोल्डर है, वो एलीजिबल ही नहीं था काम लेने के लिये पर अरविंद केजरीवाल जी के दोस्त थे, उनको काम दिया गया। ऐसे ही 'महादेव लिकर' जिसके जोनल लाईसेंस थे 'भागवती ट्रांसफर्म्स कारपोरेशन' के नाम से, उसको भी शराब का काम इसलिये दिया गया क्यूंकि उनसे पैसे का लेनदेन हुआ और दिल्ली में नहीं, अध्यक्ष जी मैं आपको बताना चाहता हूं

पंजाब में शराब की सील्ड फैक्ट्री शराब की सील्ड फैक्ट्री जो महादेव लिकर्स की थी, ये बहुत बड़ा धार्मिक परिवार बताता है मैं नाम लेते हुए संकोच कर रहा हूं क्योंकि मुझे खुद इसमें लज्जा आ रही है उनकी शराब की फैक्ट्री वहां भी

(समय की घंटी)

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): खोली गयी, क्योंकि शराब के पैसे यहां पे लिये गये। मैं अध्यक्ष जी आपके आगे ध्यान में लाना चाहता हूं देखिये कुल होलसेल का जो काम था उसमें से 111 लोग जो काम कर रहे थे अब वो कुल काम 111 लोग जो शराब का काम कर रहे थे उनमें से 14 लोगों के पास और उनमें से three were Indo Spirit, Brindco and Mahadev Liquor have 71.70 मतलब 72 फीसदी काम केवल इन दो लोगों के पास रह गया, इन लोगों ने दिल्ली को इस तरह से हाथों से लूटने का काम किया। जो 111 लोग काम कर रहे थे वो केवल 3 लोगों के पास रह गया। आगे आईये। अब ये मैं नहीं कह रहा ये भी कैग रिपोर्ट कह रही है। क्या कह रही है, 3833 करोड़ का एक लॉस हुआ, 144 करोड़ का 2002 करोड़ का एक लॉस हुआ, 941 करोड़ का एक लॉस हुआ, 890 करोड़ का एक लॉस हुआ, 144 करोड़ का एक लॉस हुआ, 27 करोड़ का एक लॉस हुआ, जो कुल मिलाकर 4004 करोड़ रूपया। चार चार हजार करोड़ रूपये का दिल्ली के राजस्व को, दिल्ली के लोगों का लूटने का काम अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने किया और जब पकड़े

गये तो क्या कहते हैं बाबा साहब अम्बेडकर जी की फोटो के पीछे छुपते हैं, भगत सिंह जी की फोटो के पीछे छुपते हैं जैसे लवली जी ने कहा भगत सिंह के सूबे का हाल क्या कर दिया, भगत सिंह के सूबे के अंदर ऐसे ऐसे लोग आज मंत्री बन बैठे जिनको यही नहीं पता उनका मंत्रालय क्या है। अध्यक्ष जी, मैं आपको ध्यान में लाना चाहता हूं भगत सिंह जी के सूबे का हाल ये कर दिया कि एक आदमी जिसकी वीडियो सामने है ऐसे कुकर्म करने की जिसकी मैं चर्चा नहीं यहां पे कर सकता, वो मंत्री बने बैठा है। एक और मंत्री जिसने अपने सहायक के साथ ऐसे कुकर्म किये और वीडियो सामने है, उसको मंत्री बना के रखा है, ये लोग हैं बाबा साहब अम्बेडकर जी को और शहीद भगत सिंह जी की बातें करने वाले। इसलिये आज का वक्तव्य क्या था, आज आतिशी जी क्यों सामने नहीं बैठीं क्योंकि अरविंद केजरीवाल जी उनको मैसेज कर रहे थे मेरे शराब के घोटाले की बातें बाहर नहीं आनी चाहिये। आतिशी कुछ भी करो, कोई ड्रामा करो, कोई नौटंकी करो, लेकिन इस शो को रोका जाये इसीलिये आज बाबा साहब अम्बेडकर और शहीद ए आजम शहीद भगत सिंह जी का नाम लेके हमारे विधान सभा के पवित्र इस हाउस को इन्होंने यहां खराब करने का काम किया, वहीं जाके बाबा साहब अम्बेडकर जी की फोटो पैरों में रखकर इन्होंने आज फोटुएं डाली ये स्पष्ट करता है ये बेईमान लोग, ये शराब के घोटाले करने वाले लोग, ये दिल्ली को दोनों हाथों से जैसे अब्दाली और औरंगजेब ने लूटने का काम किया था,

इनको रहम नहीं आया, इनको तरस नहीं आया और इन्होंने दिल्ली को दोनों हाथों से लूटा और जब हिसाब होने का वक्त आया तो बाबा साहब जी की फोटो आगे रखते हैं। मैं आपका बहुत धन्यवाद करता हूं आपने मुझे इसपर बोलने का मौका दिया बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः आशीष सूद। हां जी, ये तो मैं तय करूंगा ना।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः हां हां, बैठो बैठो। आशीष सूद जी।

माननीय गृहमंत्री (श्री आशीष सूद): बहुत बहुत आभार आदरणीय अध्यक्ष जी मुझे इस पवित्र सदन में खड़े होकर अपनी बात कहने का अवसर देने के लिये। अपनी बात शुरू करूं उससे पहले मैं सबसे पहले.

माननीय अध्यक्षः हां जारी रखिये, जारी रखिये, आप अपनी बात कहिये मंत्री जी।

माननीय गृहमंत्रीः मैं सबसे पहले अपनी बात शुरू करूं आदरणीय अध्यक्ष जी मैं माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी को जिनके नेतृत्व में, जिनकी सरकार के इस पहले एलजी अभिभाषण में जो विकसित दिल्ली का संकल्प पत्र सरकार का नीति डॉक्यूमेंट के रूप में आज आने वाले समय में दिल्ली की जनता की सेवा करने का नीतिगत पत्र बना है उसकी बधाई देना चाहता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी,

इस सदन में आज बहुत ही तुच्छ राजनीति को देखा है। इस सदन में आज देखा कि कैसे उन भगतसिंह जिन्होंने संस्था बनाई थी जिसका नाम था 'नौजवान भारत' उस नौजवान भारत संस्था बनाने वाले भगतसिंह जी का नाम अपने शराब घोटाले में जिस सरकार ने युवाओं को शराब में डुबोने का काम किया उसको छुपाने के लिये आदरणीय स्वर्गीय भगतसिंह जी का शहीदे आजम जी का नाम इस्तेमाल हुआ इतनी तुच्छ राजनीति आज इस सदन ने देखी है। इस सदन ने आज अम्बेडकर जी के नाम पर भी तुच्छ राजनीति को देखा और उस तुच्छ राजनीति में भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाने वाले ये भूल गये कि हम उस दल से हैं जहां हमारे शीर्ष नेता संसद की सीढ़ी पर अपना माथा लगाकर देश के लोकतंत्र को मजबूत करने का काम करते हैं और 2024 का 2024 का शपथ लेने से पहले भारत के संविधान को अपने सिर पर सजाकर नरेन्द्र मोदी जी ने इस देश के प्रशासन को चलाने का काम किया। वे लोग, वे लोग अम्बेडकर जी के नाम पर तुच्छ राजनीति करके आज दिल्ली की जनता की लूट से ध्यान हटाने के लिये काम कर रहे हैं। आज से पहले जब हम दिल्ली की सड़कों पर आप सब और हम मिलकर दिल्ली की सड़कों पर शराब घोटाले की पोल खोलने के लिये घुमा करते थे तो कहा जाता था पता नहीं आंकड़े कहां से ले आये, कौन ले आया, कौन देता है इन्हें आंकड़े आज भारतीय जनता पार्टी का स्टेंड, भारतीय जनता पार्टी के आंकड़े that has been vindicated by this C&AG Report. मैं अध्यक्ष जी, आपका

ध्यान दिलाना चाहता हूं पेज नम्बर–84 मैंने सरसरी तौर पर चार पेज खोले तो पेज नम्बर–84 पर comparison of new Excise Policy and Old Excise Policy. Profit margin of five percent of landed price in case of IMFL, old liquor policy or profit margin of Twelve Percent of landed price of IMFL to distributor ये न्यू लिकर पॉलिसी। इतना बड़ा अंतर और बड़ी पैरों तले ज़मीन सरका देने वाली लाइनें लिखी हैं पेज नम्बर–100 पर "The Excise Department suffered a loss of approximately 890 crores on account of licence fee from these zones owing to their surrender and failure of department for retendering." और इसी में 101 नम्बर पेज़ पर लिखा गया है कि कोविड के दिनों में किस प्रकार से 144 करोड़ रुपये "This proposal was turned down by the Ministry" लिखते हैं "Excise and Finance Departments proposed that proportionate waiver, reduction in licence fee due to COVID restriction may not be considered" और लिखते हैं "The proposal was turned down by the Minister resulting in loss of 144 crore to the State Exchequer" ये बातें हम जब सड़कों पर सुनकर कहा करते थे मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर आज सीएजी की रिपोर्ट इन सब बातों को हमारे सामने खोलकर रख देती है। पिछले 11 वर्षों में इस सदन में झूठ फरेब मक्कारी, भ्रष्टाचार के 12 साल देखे हैं। आज जब एलजी साहब का जो अभिभाषण यहां प्रस्तुत हुआ है उसने विकसित भारत की विकसित दिल्ली के रास्ते को खोलने का काम किया है। अध्यक्ष जी, मैं आपसे निवेदन

करता हूं कि जल्दी से जल्दी बाकी रिपोर्ट्स को भी टेबल करवाने का काम करें और इस पर विस्तृत चर्चा हो क्योंकि आई ओपनिंग चीज़ें जैसे-जैसे हम अपने विभागों के संदर्भ में जा रहे हैं आई ओपनिंग चीज़ें हमारे सामने आती हैं। सरकार का much talked of tom toming जिसको लेकर की जाती थी Business Blaster Programme में आप सब सुनकर हैरान होंगे 54 करोड़ रुपये बच्चों पर खर्चे गये 150 करोड़ रुपये विज्ञापन पर खर्चे गये हैं, हैप्पीनेस उत्सव में 20 करोड़ रुपये खर्चे गये और 28 करोड़ रुपये विज्ञापन पर खर्चे गये और देश के मेंटर पर अध्यक्ष जी 02 करोड़ रुपये खर्चा होने के बाद 26 करोड़ रुपये विज्ञापनों पर खर्चे गये, देशभक्ति उत्सव में 12 करोड़ रुपये खर्चा कार्यक्रम पर और 22 करोड़ रुपये फिर विज्ञापन पर, जितनी तह में जा रहे हैं हर विभाग में हर चीज़ में ऐसी glaring misappropriations और ऐसी glaring कमियां दिख रही हैं जिसके कारण इस बात की चिंता होती है कि कैसे पिछले 12 सालों में इस झूठ-फरेब और मक्कारी की सरकार ने यहां पर बैठकर दिल्ली की जनता के खजाने को लूटने का काम किया है हम, हम अध्यक्ष जी उस संस्था से आते हैं जिसके पास जिसका हमेशा का सिद्धांत है सीढ़ी के अंत में बैठे हुये व्यक्ति का अंत्योदय हमारा हमेशा का सिद्धांत है चाहे हम दो सीटों पर रहे हों चाहे आज हम विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक दल बने हैं। इसलिए हम इसे अपना दायित्व मानते हैं कि इन विषयों को तुरन्त से तुरन्त गम्भीर चर्चा के साथ बाकी रिपोर्टस को

भी टेबल किया जाये ताकि दिल्ली की जनता का क्योंकि हम, हम पिछले दस वर्षों से आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में काम कर रहे हैं और देश ने देखा है कि ये खुला ऐलान है जिस जिस ने जनता को लूटा है उसे जनता का लौटाना होगा। ये नरेन्द्र मोदी जी ने हर मंच से कहा है। इस लिए जिसने दिल्ली की जनता का लूटा है उसे दिल्ली की जनता का लौटाना होगा। मुझे इस पवित्र सदन में अपनी बात रखकर यह आग्रह करने का अवसर देने के लिए अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

माननीय अध्यक्षः सीएजी की रिपोर्ट जो पेश हुई है इस पर जो सदस्य भाग लेना चाहते हैं इसमें बहुत बड़ी सदस्यों की सूची आ रही है। तो मुझे लगता है कि इस चर्चा को यहीं पर आज स्थगित करते हुए और 27 तारीख को इस विषय पर चर्चा को आगे बढाया जायेगा। अब मैं श्री मंजिन्दर सिंह सिरसा जी से अनुरोध करूंगा कि वो अभिभाषण पर प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मंजिन्दर सिंह सिरसा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं:-

''यह सदन दिनांक 25 फरवरी, 2025 को उपराज्यपाल महोदय द्वारा विधान सभा को दिये गए अभिभाषण के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।'' धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री हरीश खुराना जी प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

श्री हरीश खुरानाः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री श्री मंजिंदर सिंह सिरसा के द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

माननीय उद्योग मंत्रीः अध्यक्ष महोदय मैं आपको भी और आपके माध्यम से सारे सदन को आज जो मेरे देश के प्रधान मंत्री ये जो लोग अभी नौटंकी करके गए यहां से जिन कातिलों को ये बचाने की कोशिश करते थे अब तक अभी-अभी सज्जन कुमार को जो देश के प्रधान मंत्री जी ने एसआईटी बनाई थी उस दूसरे केस में उम्र कैद की सजा अभी-अभी कोर्ट ने प्रोनाउंस की है। मैं धन्यवाद करता हूं अपने सभी साथियों का ये 1984 के सिख कातिलों को बचाते थे। इन्होंने जगदीश टाईटलर के केसों को रोक कर रखा। इन्होंने सज्जन कुमार की फाईलों को रोक कर रखा। इन्होंने बार-बार उन कातिलों के साथ हाथ मिलाया, उनके साथ जाकर चुनाव लड़ने का काम किया और आकर ये ड्रामे नौटंकियां करते हैं। मैं आज कहना चाहता हूं, जगदीश टाईटलर को बचाने का काम इन्होंने किया था। सज्जन कुमार को बचाने का काम इन्होंने किया था और मेरे भारत के प्रधान मंत्री जी ने जो एसआईटी बनाई थी आज उसके चलते दूसरे केस में सज्जन कुमार को उम्र कैद हुई है जिसके लिए मैं जहां भारत की सरकार का वहीं ज्यूडिशियरी का धन्यवाद करता हूं जो हमें इन्साफ देने का काम किया है। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः अभी जो प्रस्ताव आया है सदन के समक्ष, उपराज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा होगी और माननीय उपराज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा और उसको पारित किया जायेगा। अतः सदन के शेष कार्य को निपटाने के लिए सदन की बैठकों को दो दिन के लिए बढाया जाना आवश्यक है। इस सम्बन्ध में सदन कृपया अपनी सहमति दें कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधान सभा के इस प्रथम सत्र की बैठक शुक्रवार चूंकि सदन की बैठक बढाई जा रही है और कुछ बैठक सरकार के माध्यम से ऐसी रखी गई है क्योंकि पहले से 28 तारीख को सदन नहीं था। तो सिर्फ 28 तारीख वाले दिन सदन दो बजे लगेगा और तीन मार्च यानि की मंडे को सदन वहीं ग्यारह बजे आयोजित किया जायेगा। सदन अपनी सहमति दे तो इसको मैं कार्यवाही को..

(माननीय सदस्यों द्वारा सहमति देने पर)

माननीय अध्यक्षः सदन सहमत है। अतः प्रथम सत्र की बैठक शुक्रवार 28 फरवरी दो बजे और सोमवार 03 मार्च, 2025 को प्रातः ग्यारह बजे से आयोजित की जायेगी और ये जो हमारा अभिभाषण उपराज्यपाल के अभिभाषण पर जो चर्चा है ये प्रस्ताव जो है इस पर चर्चा होगी 28 तारीख को। 27 तारीख को जो आज हमने सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा को स्थगित किया है वो बाकी चर्चा 27 को होगी। इसके अलावा मेरे पास सूचना आई है प्रवेश वर्मा जी एक प्रस्ताव यहां पर लेकर आना चाहते हैं।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्री (श्री प्रवेश साहिब सिंह): माननीय सभापति जी, हम सभी जानते हैं कि जो अभी दिल्ली विधान सभा के चुनाव हुए हैं उनमें दिल्ली की जनता ने विकास के लिए हमको वोट किया है। जो ग्यारह साल का शासन उन्होंने देखा और जिस तरीके से ना केवल सदन की विधान सभा की सारी मर्यादाओं को तार-तार किया गया बल्कि पूरी दिल्ली में इतना भ्रष्टाचार हुआ कि आज वो दिल्ली की जनता ने जिस आम आदमी पार्टी को इतना समर्थन दिया था आज उन्होने उनको सत्ता से बाहर किया। मैं यहां पर यह भी कहना चाहता हूं कि हम आज यहां पर सत्ता में बैठे हैं। हम भी अगर कोई गलती करते हैं तो आप हमें भी टोकिये। मगर ये सदन रूल बुक से चलना चाहिए, संविधान से चलना चाहिए। कोई अगर इसकी अवहेलना करता है तो उसको बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। हम कोई भी बदले की भावना से काम नहीं करना चाहते। मगर जिस तरीके से माननीय उपराज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण के दौरान में यहां पर जो शोर शराबा हुआ, यहां पर सदन की कार्यवाही को डिस्टर्ब किया गया। ना इन लोगों ने ग्यारह साल काम किया और ये अभी भी इसी भावना के साथ में कि दिल्ली में कोई विकास ना हो, कोई हमारी यमुना मां की सफाई ना हो, कोई पानी साफ ना आये, कोई विकास का काम ना हो, अभी भी ये लोग हाउस को डिस्टर्ब करना चाहते हैं इसलिए माननीय सभापति जी, माननीय उप-राज्यपाल जी के अभिभाषण के दौरान अमर्यादित

व्यवहार को लेकर विपक्ष के सदस्यों पर कड़ी और कठोर कार्यवाही हेतू मैं प्रस्ताव करता हूं और उसमें विपक्ष के जो सदस्य यहां पर शोर मचा रहे थे, हाउस को डिस्टर्ब कर रहे थे उनके मैं नाम लेना चाहता हूं आले मोहम्मद इकबाल, जुबैर अहमद, अनिल झा, अजय दत्त, गोपाल राय, इमरान हुसैन, जरनैल सिंह, कुलदीप कुमार मोनू, मुकेश अहलावत, प्रेम चौहान, पुनर्दीप सिंह साहनी, प्रवेश रत्न, रामसिंह नेताजी, संजीव झा, सहीराम, सोमदत्त, वीर सिंह धिंगान, सुरेन्द्र कुमार, विशेष रवि, विरेन्द्र सिंह कादियान और आतिशी ये सभी के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

माननीय अध्यक्षः अभय वर्मा जी प्रस्ताव के समर्थन में।

श्री अभय वर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय प्रवेश वर्मा जी के प्रस्ताव के समर्थन में मैं खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि आप कल अध्यक्ष चुने गये और कल जो आपने विवेक का परिचय दिया जिस प्रकार से सदन के पहले दिन विपक्ष के सदस्यों ने जिस प्रकार से हंगामा मचाया और छोटी सी बात पर। बात थी ही नहीं लेकिन उसको बात बनाकर सदन का माहौल खराब किया फिर भी कल आपने पहले दिन होने के नाते उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद करता हूं। सदन की मुख्य मंत्री महोदया बहन रेखा गुप्ता जी और उनके मंत्रीमंडल को ह्दय से बधाई देता हूं कि जिस दिन इन्होंने शपथ ग्रहण की एक-एक मिनट दिल्ली की जनता की सेवा में लगे हुए हैं और लगातार अच्छे संदेश लोगों

की तरफ से मिल रहे हैं। मैं इस सदन में भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं और बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि इसी प्रकार जो दिल्ली की जनता पिछले 11 वर्षों से त्रस्त थी बहुत जल्द अच्छे संदेश मिलने शुरु हो जाएंगे। मैं सभी सम्मानित सदस्यों का भी अभिनंदन करता हूं क्योंकि जिस प्रकार से देश के।

माननीय अध्यक्षः अब विषय पर आईये।

श्री अभय वर्माः मैं आ जाता हूं सर पहली बार बोल रहा हूं इसलिए मैं तो सबको बधाई।

माननीय अध्यक्षः ये क्योंकि प्रस्ताव है उसकी एक मर्यादा होती है प्रस्ताव की।

श्री अभय वर्माः हां ठीक है, मैं प्रस्ताव पर सभी सदस्यों का भी अभिनंदन करता हूं। सर आज सुबह जो हुआ मुझे लगता है कि लोकतंत्र के इतिहास में सबसे काला दिवस होगा क्योंकि ये सरकार नई चुनकर आई है, पहला सत्र चल रहा है और विपक्ष के साथियों ने इतना भी इंतजार नहीं किया कि एक बार सरकार के कामकाज को देख लें। कल जो हंगामा किया, किया एलजी साहब के अभिभाषण में इतना जबरदस्त हंगामा और मैं व्यक्तिगत रूप से कह रहा हूं कि नेता, प्रतिपक्ष महोदया ने इशारा कर-करके क्रमबद्ध 2-2 मेंबरों के द्वारा हंगामा कराने का प्रयास किया गया और जिस प्रकार से एलजी साहब के अभिभाषण को डिस्टर्ब किया गया वो हमारे कानून के किताब में अध्यक्ष जी चाहें तो ये दिल्ली विधानसभा जो

चलती है उसके कानून की किताब में शेड्यूल-5, रूल-6 में बड़ा स्पष्ट लिखा हुआ है और वो स्पष्टता ये है कि उप-राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सदस्यों के लिए आचार-संहिता जो कोड आफ कंडक्ट मेंबर्स के होने चाहिए इसको इस रूलबुक में डिस्क्राइब किया हुआ है और ये 6 में कहता है ''यदि कोई सदस्य सदन में माननीय उप-राज्यपाल के अभिभाषण को अवरुद्ध करता है या बाधा डालता है, अभिभाषण से पहले या उसके दौरान या अभिभाषण के बाद जब माननीय उप-राज्यपाल सदन में उपस्थित हों किसी भाषण या व्यवस्था के प्रश्न के द्वारा बहिर्गमन करके या किसी अन्य तरीके से ऐसी बाधा अवरोध या असम्मान का प्रदर्शन माननीय उप-राज्यपाल के प्रति निरादर माना जाएगा। अवरोध या असम्मान का प्रदर्शन माननीय उप-राज्यपाल के प्रति निरादर माना जाएगा तथा संबंधित सदस्य या सदस्यों की ओर से पूर्णतः अमर्यादित व्यवहार माना जाएगा तथा सदन की अवमानना माना जाएगा।'' सर कंटेम्प्ट आफ हाउस उन्होंने किया है आज और ''जिस पर तदोपरांत किसी सदस्य द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव के बाद सदन द्वारा विचार किया जाएगा।'' तो मैं अध्यक्ष जी, मैं चाहता हूं कि हाउस इनके इस कंडक्ट पर विचार करे और कम से कम 3 सिटिंग आने वाले 3 सिटिंग के लिए इनको निलंबित किया जाए क्योंकि ये सदन की शुरुआत है। कानून से सदन चलना चाहिए अगर कानून का पालन किया जाएगा तो भविष्य में हर सदस्य कानून के हिसाब से सदन

में व्यवहार करेगा। इसलिए प्रवेश जी का जो प्रस्ताव आया है कड़ी से कड़ी कार्यवाही वो रूलबुक के अनुसार इनको अगले 3 दिन।

माननीय अध्यक्षः इन्क्लूडिंग टूडे 3 दिन होंगे इन्क्लूडिंग टूडे आज का दिन मिलाकर 3 दिन होंगे।

श्री अभय वर्माः हां, वो अध्यक्ष जी आपके ऊपर है हम तो आगे के 3 दिनों के लिए मांग कर रहे हैं बाकी हाउस विचार करे और निर्णय ले।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः रविन्द्र इन्द्राज जी इस पर कुछ कहना चाहेंगे।

श्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह, (समाज कल्याण मंत्री): आदरणीय सभापति जी, जिस रूप से आज सदन के अंदर बाबा साहब का अपमान और सदन का अपमान हुआ और आज सुबह उप-राज्यपाल के अभिभाषण के तहत मर्यादाहीन व्यवहार हुआ विपक्ष के द्वारा वो बड़ा दयनीय है। इसलिए मैं आदरणीय प्रवेश वर्मा जी के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और उस पर कठोर से कठोर निर्णय लेकर इनके व्यवहार के तहत इनको दंडस्वरूप सदन से बाहर किया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः जो प्रस्ताव यहां पर आया है इसमें तो खैर कोई दो राय नहीं है कि अमर्यादित व्यवहार था और जानबूझकर सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाई गई। यह व्यवहार उसी प्रकार की

अराजकता का व्यवहार था जिस प्रकार से कल किया गया। और चूंकि आज सीएजी की रिपोर्ट सदन में आनी थी और विपक्ष के पास मुंह छुपाने के अलावा, मुझे लगता है इस पूरी परिस्थिति में अगर मैं इस कड़े शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूं, तो उन्होंने ये रास्ता चुना। पीड़ा है, हम जब इस सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई थी तो इस सोच के साथ यहां पर उपस्थित हुए कि पक्ष और विपक्ष मिलकरके सदन की कार्यवाही को सहयोग से चलायेगा और दिल्ली के जनता के विषयों पर चर्चा होगी। आज एक बड़ा भ्रष्टाचार का मामला सीएजी की रिपोर्ट के माध्यम से सामने आया है, ऐसे में विपक्ष यहां उपस्थित होता तो इस चर्चा का महत्व और बढ़ सकता था। इस प्रस्ताव में आज की जो कार्यवाही थी, जो तुरंत स्थिति को काबू करने के लिए, क्योंकि ये संवैधानिक व्यवस्था है कि उप-राज्यपाल महोदय सदन को संबोधित करते हैं, इसलिए हमने ये कदम उठाया। लेकिन अभी जो श्री प्रवेश वर्मा जी द्वारा जो प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया सदन के सामने, इस प्रस्ताव में अपना अनुमोदन करते वक्त अभय वर्मा जी ने सदन के समक्ष कुल तीन दिन की कार्यवाही के लिए यह प्रपोजल रखा है इंक्लूडिंग टूडे, ये प्रस्ताव सदन के समक्ष रख रहा हूं कि विपक्ष के सदस्य जिनके नाम यहां पर पढ़े गए, वो कुल 21 सदस्य हैं, उनकी सूची प्रवेश जी से मैं कहूंगा कि मुझे उपलब्ध करा दें, उनके प्रस्ताव में जो 21 नाम हैं उन सभी सदस्यों के खिलाफ ये सदन प्रस्ताव के रूप में यहां पर, आप कुछ कहना चाहते हैं,

श्री अरविंदर सिंह लवली: 22 के 22 सदस्य शोर मचा रहे थे तो 21,

माननीय अध्यक्ष: एक सदस्य नहीं थे।

श्री अरविंदर सिंह लवली: अच्छा एक नहीं आये थे।

माननीय अध्यक्ष: एक एब्सेंट थे। अमानतुल्ला खान जो हैं वो एब्सेंट हैं। 21 सदस्य यहां पर उपस्थित थे, तीन दिन के लिए आज की पनिशमेंट को साथ में मिलाते हुए, आज की कार्यवाही को मिलाते हुए यानी कि 25, 27 और 28, तीन दिन के लिए ये प्रस्ताव है, जो इस प्रस्ताव के, इनका, सदस्यों का निष्कासन के लिए ये प्रस्ताव है,

इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं वे हां कहें,

जो इसके विरोध में हैं वे न कहें,

(सदस्यों के हां कहने पर)

हां पक्ष जी, हां पक्ष जीता,

प्रस्ताव स्वीकार हुआ।

मैं सदस्यों के नाम एक बार पढ़ रहा हूं, आले मोहम्मद इकबाल, जुबेर अहमद, अनिल झा, अजय दत्त, गोपाल राय, इमरान हुसैन, जरनैल सिंह, कुलदीप कुमार (मोनू), मुकेश अहलावत, प्रेम चौहान, प्रवेश रत्न, पूनरदीप सिंह साहनी, राम सिंह नेताजी, संजीव

झा, सही राम, सोम दत्त, सुरेंद्र कुमार, वीर सिंह धिंगान, विशेष रवि, वीरेन्द्र सिंह कादियान और सुश्री आतिशी जी, ये 21 सदस्य हैं जिनको तीन दिन के लिए निष्कासित किया जाता है।

अब कल महाशिवरात्रि पर्व है, माननीय सदस्यगण आप सभी को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं। मैं इस पावन पर्व पर ये कामना करता हूं कि भगवान शिव हम सबके जीवन में सुख, समृद्धि और उन्नति प्रदान करें। आप सभी को एक बार फिर महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

अब ये सदन की कार्यवाही वीरवार दिनांक 27 फरवरी, 2025 को 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही वीरवार दिनांक 27 फरवरी, 2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।